RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | शुक्रवार , 13 मार्च 2026 | वर्ष: 03 , अंक: 361 पृष्ठ: 08 , मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अविश्वास प्रस्ताव लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष जरूरी: बिरला

नेता प्रतिपक्ष को कभी नहीं रोका; नियम सबसे ऊपर: लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला

नई दिल्ली/एजेंसी

लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के बाद आज पहली बार आसन पर आए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष का होना अत्यंत आवश्यक है और नेता प्रतिपक्ष को कभी नहीं रोका गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संसद के नियम सर्वोपरि हैं और कोई भी व्यक्ति नियम से ऊपर नहीं है, चाहे वह प्रधानमंत्री ही क्यों न हों। ओम बिरला ने बताया कि सदन में पिछले दो दिनों में 12 घंटे से अधिक बहस हुई, ताकि सभी सदस्यों के विचार और चिंताएं सामने आ सकें। उन्होंने कहा "यह सदन 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। यहां हर सांसद अपनी जनता की समस्याओं और अपेक्षाओं के साथ आता है। मैंने हमेशा कोशिश की कि हर सांसद नियमों के तहत अपनी बात रखे। मैं हर उस सांसद को बोलने के लिए प्रेरित करने का प्रयास करता रहा जो कम बोलते थे, क्योंकि बोलने से लोकतंत्र का संकल्प मजबूत होता है।"

हर सदस्य का आभारी हूं- ओम बिरला

उन्होंने सदन को विचारों का जीवंत मंच बताते हुए कहा कि पिछले दो दिन में सभी सदस्यों की बातों को गंभीरता से सुना गया। हर सदस्य का आभारी हूं, चाहे वे आलोचक ही क्यों न रहे हों। यही विशेषता है कि यहां हर आवाज सुनी जाती है। यह आसन किसी व्यक्ति का नहीं है, यह लोकतंत्र की महान भावना का प्रतिनिधि है।

'नियमों के तहत बोलने का अधिकार'

ओम बिरला ने विपक्ष की शिकायतों का भी जवाब दिया। कुछ सदस्यों का कहना था कि नेता प्रतिपक्ष को बोलने से रोका जाता है। इस पर उन्होंने कहा मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि कोई भी हो, उसे सदन में नियमों के तहत बोलने का अधिकार है।

नियमों के तहत किसी भी सदस्य को सदन में बोलने की आजादी है: ओम

कुछ लोगों का मानना था कि सदन के नेता हर नियम से ऊपर हैं। मैं साफ कर दूं कि ऐसा नहीं है। ये नियम मुझे विरासत में मिले हैं और इन्हें पालन करना अनिवार्य है। चाहे प्रधानमंत्री ही क्यों न हों, नियम 372 के तहत उन्हें पहले अध्यक्ष से अनुमति लेना अनिवार्य है। जब कोई सदस्य इस सदन की मर्यादा के खिलाफ जाते हैं तो मुझे कठोर निर्णय लेने की व्यवस्था देनी पड़ती है। नियमों के तहत किसी भी सदस्य को सदन में बोलने की आजादी तो है, लेकिन नियमों की सीमा में रहकर। उन्होंने कहा कि चर्चा के दौरान कुछ लोगों ने माइक बंद करने का आरोप लगाया। चेयर के पास माइक बंद करने का बटन नहीं होता। विपक्ष में कई लोग इस चेयर पर बैठते हैं, उन्हें इसके बारे में पता है। ओम बिरला ने कहा कि महिला सदस्यों को लेकर भी आरोप लगाया गया कि उन्हें मौका कम दिया जाता है। लेकिन मुझे इस बात का गर्व है कि मेरे कार्यकाल में सभी महिला सदस्यों ने अपने विचार रखे हैं।

सदन की व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी भी मेरी: ओम

बजट पर चर्चा के दौरान कुछ महिला सदस्यों ने ट्रेजरी बेंच की तरफ जाकर नारेबाजी करने की कोशिश की। यह अप्रत्याशित घटना थी, इसलिए मैंने सदन में सत्ता पक्ष के नेता को सदन में न आने का आग्रह किया। मेरी कोशिश रहती है कि भले ही देर रात तक बैठना हो, मैं सबके बोलने के बाद ही सदन से जाता हूं। मुझे खुशी है कि जो भी सदन में बोलना चाहता था, उसे एक साल के अंदर ही मैंने बोलने का मौका दिया। निलंबन का विषय भी कुछ सदस्यों ने उठाया है। मेरा दल से ऊपर उठकर सभी सदस्यों से व्यक्तिगत संबंध आज भी है। लेकिन सदन की व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी भी मेरी है। हमें विचार करना होगा कि इस सदन को निलंबन जैसे कठोर निर्णय क्यों लेने पड़े। मैं अक्सर आग्रह करता हूं कि सदन की गरिमा बनी रहे।

ऐसा विशेषाधिकार किसी को नहीं है..

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि संसद के नियम सर्वोपरि हैं। कुछ सदस्यों का मानना था कि नेता प्रतिपक्ष सदन से ऊपर हैं और किसी भी विषय पर बोल सकते हैं। ऐसा विशेषाधिकार किसी को नहीं है, चाहे वो प्रधानमंत्री हों, मंत्री हों, विपक्ष के नेता या कोई अन्य सदस्य। सभी को नियम के अनुसार ही बोलने का अधिकार है। सदन ने ही ये नियम बनाए हैं और मुझे विरासत में मिले हैं और इन्हें पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने आसन द्वारा विपक्षी सदस्यों के बोलते समय माइक बंद करने के आरोपों पर कहा कि अध्यक्ष के पास माइक ऑन या बंद करने का अधिकार नहीं है। विपक्ष के जो नेता पीठासीन सभापति होते हैं, वे इस बारे में जानते हैं।

'मेरे कार्यकाल में सभी महिला सदस्यों ने अपने विचार रखे- बिरला

ओम ने आगे कहा कि महिला सदस्यों को लेकर भी यह आरोप लगाए गए कि उनको बोलने का मौका कम दिया जाता है। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का गर्व है कि मेरे कार्यकाल में सभी महिला सदस्यों ने अपने विचार रखे हैं।

नेता प्रतिपक्ष को कभी बोलने से नहीं रोका गया: ओम बिरला

बजट पर चर्चा के दौरान कुछ महिला सदस्यों ने ट्रेजरी बेंच की ओर जाकर नारेबाजी करने की कोशिश की थी, जो अप्रत्याशित घटना थी, इसलिए मैंने सदन में सत्ता पक्ष के नेता को न आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मेरी कोशिश यही रहती है कि भले ही देर रात तक बैठना पड़े, मैं सबके बोलने के बाद ही सदन से जाता हूं। जो भी सदन में बोलना चाहता था, उसे एक साल के अंदर ही मैंने बोलने का मौका दिया। विपक्ष की शिकायतों पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को कभी बोलने से नहीं रोका गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सदन में सभी को नियमों के तहत बोलने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों का मानना है कि सदन के नेता नियमों से ऊपर होते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। नियम 372 के तहत प्रधानमंत्री को भी पहले अध्यक्ष से अनुमति लेना अनिवार्य है। माइक बंद करने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि चेयर के पास माइक बंद करने का बटन नहीं होता और कई विपक्षी सदस्य स्वयं इस चेयर पर बैठ चुके हैं।

मुख्यमंत्री यादव के प्रयासों से मप्र के किसानों को मिली बड़ी सौगात, केंद्र ने दी कई अहम मंजूरियां

भोपाल।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से प्रदेश के किसानों को केंद्र सरकार से कई और बड़ी महत्वपूर्ण मंजूरियां मिली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर राज्य के किसानों और ग्रामीण विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया, जिस पर केंद्र ने सकारात्मक निर्णय लिए। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस उच्च स्तरीय चर्चा में ग्रामीण सड़कों सहित अनेक विषयों पर मध्यप्रदेश को बड़ी राहत देने वाले निर्णय लिये गये। मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद सोशल मीडिया के माध्यम से केन्द्र के मप्र के किसानों के लिए निर्णयों की जानकारी साझा की है।

सरसों किसानों को मिलेगा भावांतर भुगतान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आग्रह पर सरसों की खरीद से जुड़े मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने भावांतर भुगतान योजना के तहत मध्यप्रदेश के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए संबंधित विभागों को भुगतान प्रक्रिया तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए।

सीडीओ ने ग्राम चौपाल लगाकर, सुनी ग्रामवासियों की समस्याएं

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने आज ह्लगॉव की समस्या, गॉव में समाधानह्ल के अन्तर्गत विकास खण्ड कौशाम्बी की ग्राम-हकीमपुर में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामवासियों की समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम के लाभार्थियों से पुष्टाहार मिलने, पेंशन, शौचालय का लाभ मिलने, राशन मिलने, कन्या सुमंगला योजना एवं आवास आदि योजनाओं से लाभान्वित होने की जानकारी प्राप्त करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि छूटे हुए सभी पात्र लोगों को शीघ्र लाभान्वित कर दिया जाय। उन्होंने ग्रामवासियों से पूॅछा कि अध्यापक समय से विद्यालय आते हैं या नहीं एवं ठीक प्रकार से शिक्षण कार्य करते हैं कि नहीं, जिस पर ग्रामवासियो ने बताया कि अध्यापक विद्यालय समय से आते हैं एवं ठीक प्रकार से शिक्षण कार्य भी करते हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम में गठित स्वयं सहायता समूहों की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि और महिलाओं को स्वयं सहातया समूह से जोड़ा जाय।

उन्होंने ग्रामवासियों से गांव के सबसे नजदीक स्थित सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की, जिस पर ग्रामवासियों ने बताया कि अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत कराए गए सर्वें में ग्राम में 119 लोग पात्र पाए गए हैं, जिनको शीघ्र ही लाभान्वित किया जाएगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम चौपाल में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं बच्चां को अन्नप्राशन कराया तथा आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया। इसके साथ ही उन्होंने ऑगनबाड़ी केन्द्र हाकिमपुर का निरीक्षण कर वहॉ की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए कहा कि बच्चों की उपस्थिति और बढ़ाई जाय। उन्होंने आर.आर.सी. सेन्टर का भ्रमण कर खण्ड विकास अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ग्राम चौपाल में खण्ड विकास अधिकारी ने बताया कि ग्राम में 144 लोगों को वृद्धावस्था पेंशन, 12 दिव्यांगजनों को दिव्यांग पेशन एवं 40 निराश्रित महिलाओं को पेंशन मिल रहा है। अन्य विभिन्न योजनाओं से छूटे हुए लोगां की सूची तैयार कर ली गई है, सत्यापन के पश्चात पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाएगा। अधिशासी अभियंता जल निगम ने बताया कि ग्राम में आंशिक रूप से जलापूर्ति हो रहीं है। आगमा 02 माह के अन्दर ग्राम में पूर्ण क्षमता के साथ जलापूर्ति शुरू करा दिया जाएगा।

महिलाओं एवं छात्राओं को नए कानून के बारे में किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । जनपद कौशाम्बी के विभिन्न थानों/थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति फेज 5.0, साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान तथा नये आपराधिक कानूनों के संबंध में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। टीमों द्वारा क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर महिलाओं-बालिकाओं को नारी सम्मान, नारी सुरक्षा, नारी स्वावलंबन एवं विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी विस्तार से दी गई।

इस दौरान महिलाओं व बालिकाओं को 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन तथा 181 महिला हेल्पलाइन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही मिशन शक्ति, नारी शक्ति, नारी सम्मान, नारी सुरक्षा व नारी स्वावलंबन के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए महिला हेल्पडेस्क, मिशन शक्ति केंद्र, एंटी रोमियो टीम एवं थाना सीयूजी नंबर की जानकारी देकर जागरूक किया गया।

हत्या के प्रयास में वांछित चार आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। एसपी अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर थाना असोथर पुलिस जानलेवा हमले के मामले में फरार चल रहे चार लोगों को गुरुवार गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक असोथर ने बताया कि क्षेत्र में वांछित वारंटी की तलाश की जा रही थी इसी बीच मुखबिर की सूचना पर हत्या के प्रयास में वांछित चल रहे चार आरोपी विपिन पुत्र प्रेम उम्र 26 वर्ष, शिवम पुत्र ननबोध उम्र 22 वर्ष, पंकज उर्फ पिंटू पुत्र गणेश उम्र 30 वर्ष, पंकज पुत्र सैकूलाल उम्र 22 वर्ष निवासीगण झब्बापुर थाना असोथर जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

तमंचा कारतूस के साथ हमले का आरोपी दबोचा गया

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। गुरुवार को थाना औंग पुलिस जानलेवा हमले के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर तमंचा कारतूस बरामद करते हुए जेल भेज दिया।

थाना प्रभारी औंग ने बताया कि क्षेत्र में आरोपियों की तलाश में चेकिंग किया जा रहा था इसी बीच मुखबिर की सूचना पर हत्या के प्रयास में वांछित अभियुक्त कैलाश नारायण पाण्डेय पुत्र स्व0 गुरुप्रसाद निवासी मयारामखेड़ा थाना औंग जनपद फतेहपुर उम्र लगभग 55 वर्ष को 01 अवैध तमंचा 12 बोर व 02 जिन्दा कारतूस 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त को मा0 न्यायालय रवाना किया गया ।

विधायक ने डीएम के साथ मोटरसाइकिल से पगडंडी रास्ते का किया सर्वे

अपने से 3 करोड़ की सड़क बनाने की घोषणा

ब्यूरो चीफ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी/चित्रकूट। मऊ मानिकपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत मारचंद्रा में वर्षों से ग्रामीणों का आना-जाना केवल पगडंडी के सहारे होता था। समस्या की जानकारी मिलते ही मानिकपुर विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी ने जिलाधिकारी को साथ लेकर मोटरसाइकिल से गांव की उस पगडंडी का सर्वे किया और जमीनी हकीकत देखी।निरीक्षण के बाद विधायक ने अपने से 3 करोड़ रुपये की लागत से पक्की सड़क निर्माण कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का समाधान करना उनकी पहली प्राथमिकता है और किसी भी गांव को विकास से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।विधायक की इस पहल से मारचंद्रा गांव और आसपास के ग्रामीणों में खुशी की लहर है।ग्रामीणों का कहना है कि आजादी के बाद पहली बार गांव में पक्की सड़क बनने जा रही है, जिससे वर्षों से चली आ रही आवागमन की समस्या समाप्त हो जाएगी।

सैनी पुलिस ने टप्पेबाजी में 3 अभियुक्त गिरफ्तार किया

20 हजार अखबारी कागज के नोटनुमा गड्डी बरामद

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। सैनी थाने की पुलिस ने टप्पेबाजी व धोखाधड़ी करने के आरोप में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से 20 हजार रूपए अखबारी कागज के नोटनुमा गड्डी बरामद हुई है। पुलिस ने बताया कि अमृत लाल निवासी वार्ड नं0 2 परसीपुर नगर पंचायत सिराथू थाना सैनी जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि बैंक ऑफ बडौदा सिराथू रोड से 25 हजार रुपए निकालकर बाहर आया तो दो अज्ञात व्यक्ति मिले जिन्होने मुझसे पहले रास्ता पूछा फिर एक नोट की गड्डी देकर फुटकर पैसे मांगे तो मैने बैंक से निकाले हुये 25 हजार रुपए उन्हे दे दिया। भुक्तभोगी ने बताया कि थोड़ी देर बाद देखा तो उनके द्वारा दी गयी गड्डी में नोट की जगह अखबारी कागज के टुकड़े मौजूद थे। इसी प्रकार 9 मार्च को आवेदिका सविता देवी पत्नी मनोज कुमार निवासी बदलेपुर नन्द सैनी थाना सैनी जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि बैंक से पैसा निकाल रही थी उसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने कहा कि मुझे जल्दी में दिल्ली जाना है आप मेरे पैसे को अपने खाते में जमा कर दीजिए बाद में पैसे ट्रान्सफर करा लेंगे। यह कहते हुये एक नोट की गड्डी दिया और बदले में मैंने विश्वास में आकर बैंक से निकाले हुये 14 हजार रुपए उसे दे दिया। बाद में देखा तो उसके द्वारा दिये गये गड्डी में नोट नही, अखबारी पेपर के टुकड़े थे। पुलिस की माने तो तहरीर के आधार पर थाना सैनी में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना की गम्भीरता के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा दोनों अभियोग का शीघ्र अनावरण कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था। सैनी पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी कैमरे एवं मोबाइल सर्विलांस की सहायता से घटना का अनावरण करते हुए मुखबिर की सूचना पर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार होने वालों में राजा निवासी मकान नं0 9 न्यू आजाद नगर संख चौराहा थाना सैनी पश्चिम पारा जनपद कानपुर नगर, दिपू उर्फ साजन निवासी पोजेपुर थाना जहानाबाद जनपद फतेहपुर और वीरेन्द्र निवासी न्यू आजाद नगर पीएसी मोड थाना सेन पश्चिम पारा जनपद कानपुर नगर शामिल हैं।

गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से टप्पेबाजी व धोखाधड़ी के 20 हजार रुपए अखबारी कागज के नोटनुमा गड्डी बरामद की गई है।

पुलिस को पूछताछ में पता चला कि गिरोह में पांच लोग शामिल हैं। दो लोग बैंक के आसपास रेकी करते हैं। जबकि एक साथी बैंक के अन्दर जाकर देखता है कि कम पढ़ा लिखा व्यक्ति कौन है जिन्हे आसानी से बरगलाया जा सके। योजना बनाकर बैंक में पैसे निकालने हेतु आये हुये कम पढ़े लिखे बुजुर्ग व्यक्ति को चिन्हित कर उनकी थोड़ी मदद करते है तथा अपने विश्वास में लेकर किसी बहाने से उनके द्वारा बैंक से निकाले गये पैसे लेकर अपने पास रखे हुये अखबारी पेपर से बनी गड्डी (जिसमें उपर व नीचे कुछ असली नोट भी लगी होती है) उन्हे दे देते हैं। गिरफ्तार अभियुक्तगणों द्वारा पूछताछ में यह भी बताया गया कि हम लोगों ने मिलकर 1मार्च को जनपद बांदा में नरैनी के इलाहाबाद बैक से एक व्यक्ति से 29,000 रुपए की धोखाधड़ी की गयी थी ।

कप्तान ने 'ऑनलाइन संवाद' के जरिए सुनीं फरियादियों की समस्याएं

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जनपद में आमजन की शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निस्तारण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार द्वारा जनसुनवाई प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल की जा रही है।

इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थानों पर उपस्थित फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं के संबंध में पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित क्षेत्राधिकारियों तथा प्रभारी निरीक्षकों/थानाध्यक्षों से

ऑनलाइन माध्यम से सीधा संवाद स्थापित कर प्रकरणों की जानकारी ली जा रही है।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए प्रत्येक मामले की वस्तुनिष्ठ समीक्षा करते हैं तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हैं।

साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी शिकायतों का समाधान नियमानुसार एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत किया जाए, जिससे फरियादियों को अनावश्यक रूप से बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें समय पर न्याय मिल सके।

तकनीक के इस प्रभावी उपयोग से पुलिस कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ने के साथ-साथ आमजन का पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास भी निरंतर मजबूत हो रहा है।

पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारियों का एडीजी ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। गुरुवार को आगामी दिनांक 14 व 15 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश पुलिस उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से की जा रही तैयारियों का निरीक्षण एडीजी जोन प्रयागराज ज्योति नारायण द्वारा किया गया।

इसी क्रम में थाना कोखराज क्षेत्रांतर्गत भरवारी स्थित नेशनल इंटर कॉलेज में आयोजित रिहर्सल का निरीक्षण करते हुए एडीजी जोन महोदय ने परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा

लिया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों के प्रवेश, चेकिंग व्यवस्था, सीसीटीवी, कक्ष व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता, शुचिता एवं सुरक्षा के साथ सम्पन्न कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न होने पाए। सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं तथा अभ्यर्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही केंद्र व्यवस्थापक एवं संबंधित अधिकारियों को परीक्षा के दौरान सतर्कता बरतने एवं निर्धारित दिशा-निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

इस दौरान एसपी राजेश कुमार, सीओ अभिषेक सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एसपी द्वारा पुलिस उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारियों का किया निरीक्षण

स्वाती मिश्रा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार द्वारा आगामी दिनांक 14 व 15 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश पुलिस उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया गया।

इस दौरान थाना कोखराज क्षेत्रांतर्गत भरवारी स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका इंटर कॉलेज का निरीक्षण करते हुए परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों के प्रवेश, चेकिंग व्यवस्था, सीसीटीवी, कक्ष व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

साथ ही केंद्र व्यवस्थापक एवं संबंधित अधिकारियों को परीक्षा के दौरान सतर्कता बरतने एवं निर्धारित दिशा-निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

हथगांव पुलिस द्वारा बाल अपचारी सहित 3 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर थाना हथगांव पुलिस हत्या के प्रयास में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

गुरुवार को थाना हथगांव पुलिस द्वारा जानलेवा हमले से सम्बन्धित वांछित अभियुक्तगण महेन्द्र गुप्ता उर्फ पंकज गुप्ता पुत्र श्री राम गुप्ता उम्र-28 वर्ष निवासी छिवलहा थाना हथगाँव जनपद फतेहपुर 2-शिवकुमार पुत्र सन्ता सिंह उम्र-31 वर्ष निवासी सरकण्डी थाना असोथर जनपद फतेहपुर, हाल पता- छिवलहा थाना हथगाँव जनपद फतेहपुर को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया गया एवं बाल अपचारी को बाल सरंक्षण अधिकारी द्वारा संरक्षण में लेकर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गई है।

प्रेमी से शादी की जिद में दो दिन बाद फिर हाईटेंशन पोल पर चढ़ी युवती, तीन घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने उतारा

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के नटौली गांव में प्रेमी से शादी की जिद में एक युवती गुरुवार को दो दिन बाद फिर हाईटेंशन बिजली के पोल पर चढ़ गई। युवती बार-बार अपने प्रेमी को बुलाने की मांग करती रही और कहती रही कि वह उससे बहुत प्यार करती है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद युवती को सुरक्षित नीचे उतारा।

युवती का आजमगढ़ जिले के दीदारगंज थाना क्षेत्र के नंदाव गांव निवासी एक युवक से प्रेम संबंध था। परिजनों को इस रिश्ते की जानकारी होने के बाद उन्होंने इसका विरोध करना शुरू कर दिया।बताया जाता है कि लगभग तीन महीने पहले युवती अपने प्रेमी के साथ घर से चली गई थी। बाद में पुलिस ने दोनों को बरामद कर लिया था। युवती के परिजनों की शिकायत पर युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया और उसे जेल भेज दिया गया था।

सरायइनायत पुलिस द्वारा एक अभियुक्त गिरफ्तार, अपहृत बालक 24 घण्टे के अन्दर सकुशल बरामद

राम सिंह यादव

सबसे तेज प्रयागराज

झूंसी प्रयागराज। पुलिस आयुक्त व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त थरवई के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना सरायइनायत पर पंजीकृत अपहरण से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सेवालाल बनवासी पुत्र स्व0 हरखू निवासी ग्राम महमलपुर थाना कछवा जनपद मिजार्पुर को थाना सरायइनायत पुलिस टीम द्वारा गुरुवार को थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत

हनुमानगंज स्थित रामनाथपुर रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया तथा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अपहृत बालक को सकुशल बरामद कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्त द्वारा दिनांक-11.03.2026 को थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत ग्राम कतवारूपुर से वादी मुकदमा के 07 वर्षीय पुत्र का अहरण कर लिया गया था, जिसके सम्बन्ध में थाना सरायइनायत पर प्राप्त तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0-56/2026 उपरोक्त पंजीकृत किया गया ।

गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम

थानाध्यक्ष संजय गुप्ता, थाना सरायइनायत. उ0नि0 रामायण सिंह, चौकी प्रभारी हनुमानगंज. उ0नि0 उपेन्द्र कुमार तिवारी, थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज ।

आत्महत्या के लिए उकसाने वाले 4 अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पुलिस ने चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, कोतवाली क्षेत्रांत्रर्गत ग्राम चौफेरवा निवासी सुशील श्रीवास्तव द्वारा पड़ोसियों की मदद से सब्बल के द्वारा दरवाजा खोला गया, तो पाया गया कि मौके पर उनकी पत्नी सुशीला श्रीवास्तव व छोटा भाई सुनील कुमार श्रीवास्तव रक्त रंजित अवस्था में पड़े हुए थे, श्रीमती सुशीला श्रीवास्तव व अमर श्रीवास्तव की मृत्यु मौके पर ही हो गयी थी तथा घायल सुनील कुमार श्रीवास्तव को तत्काल उपचार हेतु जिला अस्पताल भेजा गया था, जहां पर चिकित्सकों द्वारा सुनील कुमार श्रीवास्तव को मृत

घोषित कर दिया गया। थाना कोतवाली पुलिस द्वारा मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम कराया गया। सूचना मिलने के बाद घटनास्थल का निरीक्षण अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन प्रयागराज एवं पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज परिक्षेत्र प्रयागराज द्वारा किया गया। घटनास्थल के निरीक्षण के दौरान रक्तरंजित दो ब्लेड, सल्फास के पाउच व केमिकल का डिब्बा पड़ा मिला तथा दो गिलास में सल्फास की गंध आ रही थी।

मृतक अमर श्रीवास्तव द्वारा लिखा गया एक सुसाइड नोट बरामद हुआ था। बरामद सुसाइड नोट के अनुसार मृतक अमर श्रीवास्तव काफी कर्ज में डूबा हुआ था तथा कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा उसे परेशान किया जा रहा था एवं उसके विरुद्ध एससी/एसटी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कराने की धमकी दी जा रही थी। तीनों मृतकों के गले व हाथ की कलाई पर ब्लेड से कटे के निशान थे एवं फर्श पर खून फैला हुआ था। दीवार पर खून के छींटे तथा संघर्ष के किसी भी प्रकार के घटनास्थल पर कोई निशान नहीं पाये गये। सुशील श्रीवास्तव द्वारा पुष्टि की गई कि घटनास्थल से प्राप्त सुसाइड नोट उनके बेटे अमर श्रीवास्तव के हस्तलेख में लिखा गया है तथा सुशील श्रीवास्तव द्वारा भी आत्महत्या की घटना माना गया है। वादी सुशील कुमार श्रीवास्तव द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर कोतवाली में धारा 108 बीएनएस का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि अभियोग में नामित चार आरोपियों में दिलीप उर्फ पप्पू, संजय सिंह, शुभम कुमार कश्यप और सोनू कुमार रैदास को गिरफ्तार किया गया है। अभियोग में नामित एक अन्य आरोपी राहुल श्रीवास्तव की गिरफ्तारी हेतु टीमें गठित कर दबिश दी जा रही है।

रुक्मणी विवाह और महारास की कथा सुनकर आनंदित हुए श्रोता

चंद्रशेखर यादव
सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया विकास खंड बहरिया के रामगढ़ कोठारी गांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन गुरुवार को कथा वाचिका श्री राधे सिया जी ने महारास लीला एवं रुक्मणी विवाह की कथा का वर्णन किया। भगवान कृष्ण का मथुरा प्रस्थान, कंस का वध, महर्षि संदीपनी के आश्रम में विद्या ग्रहण, कालयवन का वध, उद्धव गोपी संवाद, उद्धव का गोपियों से संवाद , द्वारका की स्थापना एवं रुक्मणी विवाह के प्रसंग का संगीतमय भावपूर्ण वर्णन किया । महारास लीला के वर्णन में बताया कि भगवान श्री कृष्ण ने बांसुरी बजाई तो गोपिया अपने सारे कामों को छोड़कर महारास में शामिल होने के लिए चली आईं। महारास में जीवात्मा और परमात्मा का मिलन होता है। भगवान श्रीकृष्ण रुक्मणी के विवाह की झांकी ने सभी को खूबआनंदित किया श्रीकृष्ण-रुक्मणी की वरमाला पर जम कर फूलों की बरसात हुई ।कथा व्यास ने भागवत कथा के महत्व को बताते हुए कहा कि जो भक्त प्रेमी कृष्ण रुक्मणी के विवाह उत्सव में शामिल होते हैं उनका जीवन हमेशा आनंद से भरा रहता है।बता दें कि रामगढ़ कोठारी गांव में 6 मार्च से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन चल रहा हे 13 मार्च को कथा का समापन होगा तथा14 मार्च को हवन वा गया जी का भात होगा तथा 15 मार्च को भंडारे के साथ समापन। आयोजन में कुल गुरु सुर्दशनाचार्य महाराज,आचार्य पं विमल मिश्रा के अलावा मुख्य यजमान श्रीमती प्रेमा देवी, विपिन शुक्ल,विनय शुक्ल, ब्लांक प्रमुख बहरिया शशांक मिश्र,राकेश कुमार शुक्ला,प्रियाशु तिवारी,अमृत लाल पाल,बबलू भारतीया,विवेक शुक्ला,राजेश शुक्ला, प्रकाश मिश्रा,शैलेश तिवारी,सोनू शुक्ला,अनिल पटेल ,राहुल शुक्ला,दिनेश चंद्र पाण्डेय व लल्लन शुक्ल समेत ग्रामवासी लोग रहे।

सिकंदरा हनुमान मंदिर का वार्षिक भंडारा आज

बहरिया। सिकंदरा स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर का वार्षिक भंडारा 13 मार्च को होगा। इसके उपलक्ष्य में बृहस्पतिवार को अखंड श्री रामचरितमानस पाठ का शुभारंभ किया गया। शुक्रवार को समापन के बाद हवन और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक राजकुमार पांडेय एवं मंदिर के पुजारी ओम शांति बाबा ने लोगों से भंडारे में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

अपहृत की गई नाबालिक किशोरी को पुलिस ने किया बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। थाना क्षेत्र के एक गांव से अपहृत की गई नाबालिक किशोरी को बहरिया पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से मैलहा के पास से बरामद कर लिया है। आरोपी की तलाश बहरिया पुलिस के द्वारा की जा रही है। थाना क्षेत्र के एक गांव की किशोरी को कोतवाली फूलपुर के कसरावल डीह निवासी महेंद्र चौहान पुत्र चंद्रभान के द्वारा एक मार्च की रात्रि में बहला फुसला कर अपहृत कर लिया गया था। किशोरी के दादा के द्वारा पांच मार्च को बहरिया थाने में फूलपुर के कसरावल डीह निवासी महेंद्र चौहान के खिलाफ तमाम गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। मामल दो समुदायों से जुड़ा होने के कारण बहरिया पुलिस सरगर्मी से किशोरी की तलाश कर रही थी। बृहस्पतिवार को पता चला कि किशोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मैलहा के पास टहल रही है। मौके पर पहुंची महिला उपनिरीक्षक शिवानी मिश्रा उप निरीक्षक राजकुमार ने किशोरी को पहचान कर थाने ले गए। जहां परिजनों को बुलाकर उसकी पहचान कराई तत्पश्चात उसे मेडिकल चेकअप के लिए भेजा गया है।

नशे के दुष्प्रभावों से किया गया जागरूक

टीआई ने सुरक्षित यातायात की स्वयं सेविकाओं को दी जानकारी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। आर्य कन्या डिग्री कालेज, मुट्ठीगंज, प्रयागराज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के विशेष शिविर का तीसरे दिन उत्साह और सक्रिय सहभागिता के साथ आज समापन हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकाल योग, प्राणायाम, प्रार्थना तथा व्यायाम से हुई, जिससे स्वयंसेविकाओं में शारीरिक एवं मानसिक ऊर्जा का विकास हुआ।

डॉ. चित्रा चौरसिया ने स्वयं सेविकाओं को एनएसएस का लक्ष्यगीत गवाया गया तथा उसके महत्व की जानकारी दी गयी। डॉ. किरन मिश्रा ने कला एवं क्राफ्ट के माध्यम से छात्राओं को रचनात्मकता से परिचित कराया और उन्हें सृजनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरित किया।

प्रथम सत्र में मद्य निषेध विभाग, उत्तर प्रदेश की ओर से आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत जादूगर धीरेंद्र प्रताप सिंह ने विभिन्न जादुई प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी और स्वयंसेविकाओं को नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित किया। उप मद्य निषेध अधिकारी अंकुर पाण्डेय एवं पंकज अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित की गई।

टीआई अमित कुमार ने यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के उद्देश्य से एक विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने सुरक्षित पैदल चलने के नियमों पर प्रकाश डालते हुए बाईं ओर चलना, पंक्ति में चलना, दिशा बदलते समय संकेत देना तथा चालक के साथ आई-कॉन्टैक्ट बनाए रखना जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी। उन्होंने यातायात प्रबंधन के ह्यफाइव ईह्व कॉन्सेप्ट इंजीनियरिंग, एजुकेशन, एनफोर्समेंट, एनवायरनमेंट एवं इमरजेंसी से भी छात्राओं को जानकारी दिया।

द्वितीय सत्र के प्रमुख वक्ता मनोचिकित्सक डॉ. राकेश पासवान थे। उन्होंने नशा मुक्ति विषय पर स्वयंसेविकाओं से संवाद करते हुए व्यवहारिक एवं पदार्थ संबंधी नशे के दुष्प्रभावों, आत्महत्या, मोबाइल एडिक्शन, गेम एडिक्शन तथा जेनोफिलिया जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और किसी भी समस्या की स्थिति में सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने टेली-मानस हेल्पलाइन नंबर - 14416 की जानकारी देकर मानसिक स्वास्थ्य सहायता के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम के समापन पर सभी अतिथियों, प्राचार्या, उपप्राचार्या, कार्यक्रम अधिकारियों तथा स्वयंसेविकाओं ने प्रयागराज को नशामुक्त बनाने की शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अर्चना पाठक ने की, जबकि संचालन एनएसएस प्रभारी डॉ. रंजना त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. भारती देवी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सफल समन्वयन में डॉ. दामिनी, डॉ. शिवानी एवं डॉ. सुधा का योगदान रहा।

कार्यकर्ता मिलन समारोह की तैयारी को लेकर भाजपा गंगापार की बैठक सम्पन्न

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी कार्यालय गंगापार में 15 मार्च को परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यकर्ता मिलन समारोह की तैयारी को लेकर जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान के नेतृत्व में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 15 मार्च को परेड ग्राउंड में भारतीय जनता पार्टी गंगापार महानगर और जमुनापार द्वारा संयुक्त रूप से कार्यकर्ता मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा जिसके मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य होंगे जहां वो सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ फूलों से होली खेलेंगे। जिलाध्यक्ष ने गंगापार के सभी मंडल अध्यक्ष को को निमंत्रण पत्र देते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में अपने मंडल के कार्यकताओं को साथ में लेकर आना है इस मौके पर मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह पटेल किरण त्रिवेणी, चंद्रकेश पाल,जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, मृगेन्द्र सिंह,जिला मंत्री तुलसी राम सरोज अमरजीत कुशवाहा महेश पांडेय संतोष शुक्ला, रोहित केशरी,देवेन्द्र गिरी, संजय मिश्रा बनकटा, श्याम सुंदर दुबे,बृजेश त्रिपाठी, योगेश मिश्रा,तरुण मिश्रा,विमलेश पटेल,डॉ क्रान्ति तिवारी, धीरेन्द्र मिश्रा,मंडल अध्यक्ष अनिल मौर्या, रणविजय सिंह, महेंद्र गिरी, राम कैलाश सरोज, सुशील त्रिपाठी, ईश्वर चंद्र बिंद,राजू पाल,महेन्द्र त्रिपाठी,टी एन सिंह, नवनीत तिवारी,पवन गुप्ता,आरती अग्रवाल, शिवबाबू मोदनवाल महेश माली संजय यादव गुड्डू राजा,आदि मौजूद रहे।

बहरिया पुलिस ने 6 वर्ष से फरार चल रहे लूट के आरोपी को किया गिरफ्तार

चंद्रशेखर यादव
सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। रामगढ़ कोठारी गांव निवासी व लूट का आरोपी प्रशांत दूबे को बहरिया पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार ही कर जेल भेज दिया। प्रशांत दुबे पुलिस को चकमा देकर छः वर्ष से फरार चल रहा था। थाना क्षेत्र के चकिया धमौर गांव निवासी अशोक कुमार पुत्र अमृतलाल विश्वकर्मा ने सितंबर 2020 को बहरिया थाने में मुकदमा पंजीकृत कराया था कि वह रिश्तेदारी से घर वापस आ रहा था तभी चार अज्ञात लोगों के द्वारा रोक कर उससे मोबाइल एवं तीन हजार नकदी लूट लिया गया था। मुकदमा दर्ज होते ही पुलिस जांच पड़ताल में जुटी तो प्रकाश में आया कि रामगढ़ कोठारी गांव निवासी आकाश शुक्ला, जोगिया शेखपुर के अवधेश उर्फ विपिन मिश्रा, सराय सुल्तान निवासी अवधेश कुमार यादव और रामगढ़ कोठारी निवासी प्रशांत दुबे लूट में शामिल थे। पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था लेकिन प्रशांत दुबे पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा और 6 वर्ष से फरार चल रहा था। बुधवार की शाम थानाध्यक्ष बहरिया ब्रजेश सिंह को सूचना मिली कि प्रशांत दुबे रामगढ़ कोठारी की नहर पर मौजूद है। थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस टीम पहुंची तो प्रशांत दुबे भागने लगा दौड़कर पुलिस वालों ने पकड़ लिया। प्रशांत को थाने ले आया गया। बृहस्पतिवार को लिखा पढ़ी करके प्रशांत को कोर्ट में भेजा गया जहां से उसको भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष ब्रजेश सिंह, उपनिरीक्षक उमेश यादव, बलवंत सिंह, बलकेश, चंदन कुमार, महिला उप निरीक्षक शिवानी मिश्रा हेड कांस्टेबल रामचंद्र वर्मा कांस्टेबल मनीष यादव रहे।

नगर जोन के समस्त थानों की एण्टी रोमियों टीमों द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति 5 .0' अभियान

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त नगर व अपर पुलिस उपायुक्त नगर के कुशल पर्यवेक्षण में गुरुवार को नगर जोन के समस्त थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम व जागरूकता रैली में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही ह्लमिशन शक्ति 5.0ह्व अभियान के अन्तर्गत नगर जोन के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

राष्ट्रीय सुरक्षा अभियान का समापन समारोह अग्नि एवं सुरक्षा विभाग सम्पन्न

मौजी लाल रावत
सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। इफको फूलपुर इकाई में बृहस्पतिवार को 55 वां राष्ट्रीय सुरक्षा अभियान का समापन समारोह अग्नि एवं सुरक्षा विभाग में सम्पन्न हुआ। इस वर्ष का विषय उन्नत सुरक्षा के लिए लोगों को संलग्न करें, शिक्षित करे और सशक्त बनाएँ है। महाप्रबंधक (इकाई प्रमुख) पी.के.सिंह ने कहा कि आज का दिन हमें सुरक्षा के महत्तव व जागरूकता की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के प्रति सचेत रहे और सुरक्षित कार्य करें, सुरक्षा को कभी भी नजरअंदाज ना करें। सुरक्षा उपकरणों, हेलमेट, सूट व गैजेट का अवश्य प्रयोग करें। फायर अलार्म एवं प्राथमिक सुरक्षा के बारे में जागरूक रहें। सुरक्षा को अपनी आदत एवं अपनी कार्य संस्कृति का हिस्सा बनाये। उन्होंने कहा कि आप सभी लोग संकल्प करें कि सुरक्षा नियमों का पालन करेंगे, नये कर्मचारियों को शिक्षित करेंगे और सुरक्षा को जीवनचर्या का हिस्सा बनायेंगे। महाप्रबंधक तकनीकी रत्नेश कुमार ने कहा कि जानकारी अवश्य तुरंत साझा करें ताकि तय समय में अग्नि एवं सुरक्षा विभाग द्वारा दुर्घटना का निवारण किया जा सके। कार्य निष्पादन में सुरक्षा मानकों का अवश्य ध्यान रखें। मुख्य प्रबंधक अग्नि एवं सुरक्षा विभाग संजीव कुमार ने अग्नि एवं सुरक्षा विभाग की वार्षिक रिपोर्ट पेश की तथा बताया कि हम 1814 दिन दुर्घटना रहित कार्य करे रहें है जो हमारी उपलब्धि है। दुर्घटना निवारण हेतु 1173 टूल बाक्स इंस्टाल किये गये है। उन्होंने बताया कि अग्नि एवं सुरक्षा विभाग को गत वर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद एवं ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल से अवार्ड प्राप्त हुए है। कार्यक्रम का संचालन विकास कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन अखिलेश निगम ने किया। इस दौरान संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः अरूण कुमार, एस.के. सिंह, ए.के.गुप्ता, डॉ सत्य प्रकाश, आर.पी.यादव, संदीप गोयल,विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव तथा बड़ी संख्या में इफको कर्मचारी मौजूद रहे। इस दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के दौरान हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेताओं एवं विभागों को पुरस्कृत किया गया।

नाबालिक के साथ दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। थाना कैण्ट पुलिस टीम द्वारा अपहरण और दुष्कर्म से सम्बन्धित प्रकाश में आये अभियुक्त राज यादव पुत्र स्व0 ओम प्रकाश निवासी 62/52 मऊ सरैया अशोक नगर थाना कैण्ट जनपद प्रयागराज को गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर टीवी टावर के पास थाना क्षेत्र कैण्ट से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के आधार पर उक्त अभियोग में धारा 65(1)/87 बी0एन0एस0 व 3/4 (2) पॉक्सो एक्ट की बढोत्तरी कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम

म0उ0नि0 प्रिया बाजपेई. उ0नि0 निखिल यादव. का0 मनीष कुमार, थाना कैण्ट कमिश्नरेट प्रयागराज।

होली मिलन में उडे गुलाल, गाये गये फागुनी गीत

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में होली मिलन कार्यक्रम संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सर्वोदय नगर में मातृ भारती की ओर से 'होली मिलन कार्यक्रम ' का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के छात्रों की माताओं और मातृ शक्ति की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मातृ भारती की संरक्षक सीमा जायसवाल, नीलम गुप्ता, प्रथम सिन्हा एवं अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन और वंदना के साथ किया। विद्यालय की शिक्षिकाओं ने अतिथि माताओं का तिलक लगाकर और पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस दौरान पूरा वातावरण 'होली आई रे' और 'फाग' के गीतों से भक्तिमय और आनंदित हो उठा। समारोह में उपस्थित महिलाओं और शिक्षिकाओं ने पारंपरिक होली गीतों पर नृत्य किया और एक - दूसरे को अबीर - गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं। शिक्षिकाओं ने होली के आध्यात्मिक महत्व को बताते हुए कहा कि मां ही बच्चे की पहली गुरु होती है, इसलिए समाज में संस्कारों के प्रसार के लिए मातृ शक्ति का ऐसे उत्सवों में शामिल होना आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में सभी को जलपान और मिष्ठान वितरित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की सभी शिक्षिकाएं, बड़ी संख्या में अभिभावक महिलाएं और प्रबंध समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

ईद के बाद शुरू कराया जाय मूल्यांकन : डा हरि प्रकाश यादव

एकजुट के प्रदेश संरक्षक ने यूपी बोर्ड परीक्षा संपन्न होने पर बोर्ड सचिव को दी बधाई

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) के प्रदेश संरक्षक डा हरि प्रकाश यादव ने यूपी बोर्ड परीक्षा सकुशल संपन्न होने पर बोर्ड सचिव भगवती सिंह को आज यूपी बोर्ड मुख्यालय में बधाई दिया।

इस दौरान एकजुट के प्रदेश संरक्षक डा हरि प्रकाश यादव ने सचिव भगवती सिंह को ज्ञापन सौंपा जिसमें मांग की गयी है कि यूपी बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन ईद पर्व के पश्चात कराया जाये।

एकजुट के ज्ञापन मे कहा गया है कि कापियों का 18 मार्च से मूल्यांकन कार्य होने जा रहा है, जबकि शिक्षा निदेशक माध्यमिक द्वारा जारी अवकाश कैलेण्डर में 20 मार्च शुक्रवार को जुमा अलविदा एवं 21 मार्च को ईद उल फितर का सार्वजनिक अवकाश घोषित है परंतु जब मूल्यांकन कार्य होता है तो उस समय कोई अवकाश नहीं दिया जाता है यहां तक कि रविवार को भी काफियों का मूल्यांकन कराया जाता है । होली की तरह ईद भी एक महत्वपूर्ण त्यौहार है, यदि मूल्यांकन 18 मार्च से शुरू होता है तो बीच में ईद पर्व के कारण मूल्यांकन कार्य प्रभावित होगा इसलिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन ईद के बाद शुरू कराया जाय।

एकजुट के प्रतिनिधि मंडल ने बोर्ड परीक्षाओं से संबंधित नाम संशोधन की प्रक्रिया में आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों का मुद्दा भी उठाया। संगठन ने बताया कि वर्तमान में नाम संशोधन के लिए टीसी पर काउंटर साइन की अनिवार्यता रखी गई है,जिसके कारण कई बार छात्र - छात्राओं को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विशेषकर जब छात्र विद्यालय से दूर होते हैं या परीक्षा के बाद अन्य स्थानों पर चले जाते हैं, तब काउंटर शाइन कराना कठिन हो जाता है।

इस कारण कई छात्रों के नाम संशोधन के प्रकरण समय पर पूर्ण नहीं हो पाते। एकजुट शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने सचिव से अनुरोध किया कि छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए इस प्रक्रिया को सरल बनाया जाए तथा टीसी प्रति हस्ताक्षर की अनिवार्यता में व्यावहारिक समाधान निकाला जाए, ताकि छात्रों को अनावश्यक परेशानी से बचाया जा सके। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना और शीघ्र समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में परिषद स्तर पर सकारात्मक विचार कर आवश्यक निर्णय लिया जाएगा।

इस अवसर पर एकजुट के प्रतिनिधिमंडल में जिला अध्यक्ष देवराज सिंह, प्रदेश आय व्यय निरीक्षक सुरेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी सुधाकर ज्ञानार्थी मंडल अध्यक्ष मिथिलेश कुमार मौर्य, जिला मंत्री डीपी यादव सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। एकजुट के प्रदेश संरक्षक डा हरि प्रकाश यादव ने आशा व्यक्त किया है कि परिषद शिक्षकों एवं छात्रों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए शीघ्र ही उचित निर्णय लेगी।

संपादकीय

एक परीक्षा से बड़ी ज़िंदगी

हाल ही में संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) के परिणाम घोषित हुए हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी सफल अभ्यर्थियों की कहानियाँ सुर्खियों में हैं। टॉपर्स के इंटरव्यू, उनकी रणनीति, उनकी मेहनत और संघर्ष की चर्चा पूरे देश में हो रही है। यह स्वाभाविक भी है। वर्षों की कठिन तैयारी के बाद जो युवा इस परीक्षा में सफल होते हैं, उनकी उपलब्धि निश्चित ही प्रशंसा के योग्य है। लेकिन इस उत्सव के बीच एक दूसरा पक्ष भी है, जिस पर कम चर्चा होती है। वह है यू.पी.एस.सी. के इर्द-गिर्द हमारे समाज में बनती वह मानसिकता, जिसने इस परीक्षा को केवल एक अवसर नहीं बल्कि सफलता का अंतिम पैमाना बना दिया है। धीरे-धीरे हमारे सामाजिक वातावरण में यह धारणा गहराती गई है कि पढ़ाई का सबसे बड़ा उद्देश्य यू.पी.एस.सी. है। घरों में, रिश्तेदारों की बातचीत में, यहां तक कि स्कूल-कॉलेज के माहौल में भी अक्सर यही संदेश सुनाई देता है कि असली सफलता वही है जो इस परीक्षा से होकर गुजरे। किसी घर में यदि कोई युवक या युवती भारतीय प्रशासनिक सेवा (क्अर) या भारतीय पुलिस सेवा (क्ढर) में चयनित हो जाता है तो वह पूरे परिवार और मोहल्ले के लिए गर्व का विषय बन जाता है। यह गर्व स्वाभाविक है, लेकिन इसके साथ एक अनकहा संदेश भी समाज में फैलता है–जो इस परीक्षा में सफल नहीं हुआ, वह शायद उतना सफल नहीं है। यही सोच कई बार लाखों युवाओं के मन पर अनावश्यक दबाव बना देती है। 18झ्र19 वर्ष की आयु में जब कोई छात्र अपने भविष्य के बारे में सोच रहा होता है, तब अक्सर उसके सामने यू.पी.एस.सी. को ही सबसे बड़ा लक्ष्य बनाकर प्रस्तुत किया जाता है। दिलचस्प बात यह है कि इन युवाओं में से बहुत कम लोग वास्तव में शासन व्यवस्था, नीति निर्माण या सार्वजनिक सेवा की जटिलताओं को समझते हुए इस दिशा में आगे बढ़ते हैं। कई बार यह निर्णय प्रेरणा से अधिक सामाजिक प्रतिष्ठा की कल्पना से प्रेरित होता है। सोशल मीडिया के दौर में यह प्रवृत्ति और तेज हुई है। छोटी-छोटी वीडियो क्लिप, वर्दी में अधिकारियों की छवियाँ, कलेक्टर साहब या सुपरकॉप जैसे लोकप्रिय चित्रण युवाओं के मन में एक आकर्षक छवि बनाते हैं। लेकिन इन छवियों के पीछे की वास्तविकता–लंबे कार्य घंटे, प्रशासनिक जटिलताएँ, प्राकृतिक आपदाओं के समय निरंतर जिम्मेदारी, राजनीतिक दबाव और निर्णयों की कठिनाइयाँ–इनका उल्लेख शायद ही कभी होता है। इस परीक्षा से जुड़ा एक और महत्वपूर्ण प्रश्न भाषा का भी है। पिछले कुछ वर्षों में यू.पी.एस.सी. के परिणामों में हिंदी माध्यम के अभ्यर्थियों का प्रतिनिधित्व लगातार घटता दिखाई देता है। यह केवल भाषा का सवाल नहीं है, बल्कि अवसरों की समानता से जुड़ा मुद्दा भी है। देश के छोटे शहरों और कस्बों से आने वाले अनेक छात्र सीमित संसाधनों में इस परीक्षा की तैयारी करते हैं। उनके सामने अंग्रेजी भाषा की चुनौती होती है, अध्ययन सामग्री की कमी होती है और महंगी कोचिंग व्यवस्था भी एक बाधा बनती है। विडंबना यह है कि जिन अधिकारियों को देश की विविध जनता के साथ काम करना होता है, वही जनता प्रायः अपनी स्थानीय भाषाओं में सोचती और बोलती है।

कांशीराम की विरासत पर सभी दलों की नजर, यूपी की राजनीति बदलने की होड़

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में कई प्रतीक ऐसे रहे हैं जिनकी विरासत समय-समय पर नई सियासी व्याख्या के साथ सामने आती है। बहुजन आंदोलन के प्रणेता कांशीराम भी ऐसे ही नेता हैं। 15 मार्च को उनकी जयंती हर साल बसपा मनाती रही है, लेकिन इस बार तस्वीर कुछ अलग है। कांग्रेस से लेकर समाजवादी पार्टी और बीजेपी तक, लगभग सभी दल कांशीराम की राजनीतिक विरासत को अपने तरीके से याद कर रहे हैं। लखनऊ से दिल्ली तक कार्यक्रमों की श्रृंखला बन रही है, बहुजन संवाद की बातें हो रही हैं और पीडीए दिवस जैसे नए राजनीतिक नारे सामने आ रहे हैं। यह सब महज संयोग नहीं है, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बदलते सामाजिक समीकरणों का संकेत भी है। दिलचस्प यह है कि कांशीराम की राजनीति का मूल आधार कांग्रेस विरोध से ही बना था। 1980 और 1990 के दशक में उन्होंने जिस बहुजन राजनीति की नींव रखी, उसने कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में लगभग हाशिए पर पहुंचा दिया था। लेकिन अब वही कांग्रेस उनकी जयंती को परिवर्तन दिवस के रूप में मना रही है। 13 मार्च को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होने वाले कार्यक्रम में राहुल गांधी की मौजूदगी और बहुजन संवाद की योजना इसी कोशिश का हिस्सा है। कांग्रेस का तर्क है कि कांशीराम को किसी एक पार्टी के नेता के रूप में सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि उन्हें सामाजिक न्याय की लड़ाई के बड़े प्रतीक के रूप में समझना चाहिए। राहुल गांधी पिछले कुछ समय से सामाजिक न्याय, जातीय जनगणना और हिस्सेदारी की राजनीति को जोर-शोर से उठा रहे हैं। कांशीराम के उस पुराने नारे जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी को कांग्रेस आज अपने राजनीतिक तर्क के रूप में सामने रख रही है। समाजवादी पार्टी की रणनीति भी कम दिलचस्प नहीं है। अखिलेश यादव ने कांशीराम की जयंती को पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया है। यह सिर्फ प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है, बल्कि उस सामाजिक समीकरण को मजबूत करने की कोशिश है जो 2024 के लोकसभा चुनाव में आंशिक रूप से दिखाई दिया था। अखिलेश यादव को यह एहसास है कि सिर्फ यादव-मुस्लिम वोटों के सहारे बीजेपी को चुनौती देना मुश्किल है। इसलिए पीडीए का फामूर्ला दरअसल उस बड़े सामाजिक गठबंधन की तलाश है जिसमें दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक एक साझा राजनीतिक मंच पर आएं। कांशीराम की जयंती को इस रणनीति से जोड़ना इसी सोच का हिस्सा है, क्योंकि बहुजन राजनीति की अवधारणा में यही सामाजिक वर्ग सबसे अहम रहे हैं।बीजेपी भी इस पूरी बहस से अलग नहीं है। पार्टी ने दलित महापुरुषों की जयंती और पुण्यतिथि मनाने के लिए एक कैलेंडर तैयार किया है, जिसमें कांशीराम का नाम भी शामिल है। योगी सरकार के मंत्री असीम अरुण के नेतृत्व में दलित समाज से संवाद बढ़ाने की कोशिशें की जा रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में बीजेपी ने दलित समुदाय के बीच अपनी पैठ मजबूत करने के लिए कई प्रतीकात्मक और सामाजिक कार्यक्रम किए हैं। संत रविदास से लेकर बाबा साहेब आंबेडकर तक, दलित प्रतीकों को पार्टी अपने राजनीतिक विमर्श में शामिल कर चुकी है। ऐसे में कांशीराम का नाम भी इस सूची में जुड़ना स्वाभाविक माना जा रहा है। बीजेपी की रणनीति साफ है दलित समाज को यह संदेश देना कि उसकी राजनीति सिर्फ एक पार्टी की बपौती नहीं है।दरअसल, कांशीराम की विरासत को लेकर अचानक बढ़ी यह दिलचस्पी उत्तर प्रदेश की बदलती राजनीति से जुड़ी है। राज्य में दलित मतदाता लगभग 21 प्रतिशत हैं और अगर अतिपिछड़े वर्ग को जोड़ दिया जाए तो यह संख्या 50 प्रतिशत के करीब पहुंच जाती है। कांशीराम ने इन्हीं वर्गों को राजनीतिक ताकत के रूप में संगठित करने का काम किया था। बसपा के उदय के साथ दलित राजनीति को पहली बार ऐसा मंच मिला जिसने सत्ता तक पहुंचने का रास्ता बनाया। मायावती चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनीं और बहुजन राजनीति का एक नया अध्याय लिखा गया।

लेकिन पिछले कुछ चुनावों में बसपा का जनाधार लगातार कमजोर होता गया है। 2022 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन बेहद सीमित रहा। यही वह राजनीतिक खालीपन है जिसे भरने के लिए दूसरी पार्टियां कोशिश कर रही हैं। सपा को लगता है कि दलित मतदाता अब नए विकल्प की तलाश में हैं और पीडीए फामूर्ले के जरिए उन्हें अपने साथ जोड़ा जा सकता है। कांग्रेस भी इसी संभावना को देख रही है और सामाजिक न्याय की नई बहस के जरिए दलित-ओबीसी वर्गों से संवाद बढ़ाना चाहती है। बीजेपी के सामने चुनौती थोड़ी अलग है। पार्टी ने 2014 के बाद से दलित वोटों में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की थी, लेकिन 2024 के चुनाव में कई जगहों पर इस समर्थन में हल्की दरार दिखी। इसलिए बीजेपी भी सामाजिक इंजीनियरिंग के जरिए दलित और अतिपिछड़े वर्गों को अपने साथ बनाए रखने की रणनीति पर काम कर रही है। कांशीराम जैसे प्रतीकों को याद करना उसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है।असल सवाल यह है कि क्या कांशीराम की विरासत को सिर्फ राजनीतिक प्रतीक के रूप में इस्तेमाल करना ही काफी होगा कांशीराम ने जिस बहुजन राजनीति की कल्पना की थी, उसका मूल उद्देश्य सत्ता में भागीदारी और सामाजिक सम्मान था। उन्होंने दलितों और वंचित वर्गों को यह एहसास कराया कि लोकतंत्र में संख्या भी ताकत होती है। उनकी राजनीति सिर्फ चुनाव जीतने की रणनीति नहीं थी, बल्कि सामाजिक चेतना का आंदोलन भी थी। आज जब अलग-अलग पार्टियां उनकी जयंती मनाने की होड़ में हैं, तब यह भी देखना होगा कि उनकी मूल सोच को कितनी गंभीरता से अपनाया जाता है। क्या यह सिर्फ वोटों की गणित है या सामाजिक न्याय की वास्तविक चिंता भी है यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उत्तर प्रदेश की राजनीति में प्रतीकों का इस्तेमाल नया नहीं है। अक्सर नेता और दल किसी बड़े सामाजिक नायक की विरासत को अपने पक्ष में पेश करते रहे हैं।2027 का विधानसभा चुनाव अभी दूर है, लेकिन उसकी आहट अभी से सुनाई देने लगी है। सपा सत्ता में वापसी का सपना देख रही है, बीजेपी तीसरी बार सरकार बनाने की तैयारी में है और कांग्रेस खोए हुए जनाधार को फिर से हासिल करना चाहती है। ऐसे में कांशीराम की विरासत एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गई है।लेकिन अंतिम फैसला हमेशा मतदाता ही करता है। यह वही मतदाता है जिसे कांशीराम ने कभी कहा था कि सत्ता की चाबी उसके हाथ में है। अब देखना यह है कि 2027 की लड़ाई में यह चाबी किसके ताले को खोलती है और किसकी राजनीति को नया रास्ता दिखाती है।

दांडी यात्रा की अमर गाथा

डॉ. पंकज भारद्वाज

12 मार्च 1930 का दिन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक स्वर्णिम और प्रेरणादायी अध्याय के रूप में अंकित है। इसी दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने ब्रिटिश शासन के अन्यायपूर्ण नमक कानून के विरुद्ध ऐतिहासिक नमक सत्याग्रह का शुभारंभ किया। यह आंदोलन केवल नमक पर लगाए गए कर के विरोध तक सीमित नहीं था, बल्कि यह विदेशी शासन के अन्याय और शोषण के विरुद्ध भारतीय जनमानस की सशक्त और शांतिपूर्ण प्रतिरोध की घोषणा थी। उस समय अंग्रेजी सरकार ने नमक के निर्माण और विक्रय पर अपना पूर्ण अधिकार स्थापित कर रखा था। भारतीयों को अपने ही देश में नमक बनाने की अनुमति नहीं थी और उन्हें महंगे मूल्य पर नमक खरीदने के लिए विवश किया जाता था। नमक जैसी अत्यंत आवश्यक वस्तु पर कर लगाना गरीब और साधारण जनता के लिए भारी कष्ट का कारण बन गया था। इसी अन्याय के विरुद्ध महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए नमक कानून को तोड़ने का निर्णय लिया।

12 मार्च 1930 को गांधीजी ने गुजरात स्थित साबरमती आश्रम से 78 सत्याग्रहियों के साथ लगभग 390 किलोमीटर लंबी ऐतिहासिक पदयात्रा प्रारंभ की। यह यात्रा 24 दिनों तक चली और 6 अप्रैल 1930 को गुजरात के समुद्र तट पर स्थित दांडी पहुँचकर पूर्ण हुई। वहाँ समुद्र तट से नमक उठाकर गांधीजी ने नमक कानून का प्रतीकात्मक उल्लंघन किया। यह एक छोटा-सा कार्य था, किंतु इसके प्रभाव ने पूरे देश में स्वतंत्रता की चेतना को प्रज्वलित कर दिया।

नमक सत्याग्रह ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नई गति और व्यापक जनसमर्थन प्रदान किया। देश के कोने-कोने से लाखों लोग इस आंदोलन से जुड़ गए। महिलाओं, किसानों, श्रमिकों और विद्यार्थियों ने भी बड़ी संख्या में भाग लेकर इसे जनांदोलन का रूप दे दिया। हजारों स्वतंत्रता सेनानियों को कारागार में डाला गया और स्वयं महात्मा गांधी को भी गिरफ्तार कर लिया गया, परंतु आंदोलन की ज्वाला और जनसमर्थन निरंतर बढ़ता गया।इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह पूर्णतः अहिंसात्मक था। गांधीजी का विश्वास था कि सत्य और अहिंसा की शक्ति से किसी भी अन्यायपूर्ण शासन को चुनौती दी जा सकती है। नमक सत्याग्रह ने न केवल भारत के स्वतंत्रता संघर्ष को नई दिशा दी, बल्कि विश्व का ध्यान भी भारत की आजादी की लड़ाई की ओर आकर्षित किया।आज जब हम 12 मार्च को स्मरण करते हैं, तो यह दिन हमें यह प्रेरणा देता है कि दृढ़ संकल्प, साहस और सत्य के मार्ग पर चलकर बड़े से बड़ा परिवर्तन संभव है। नमक सत्याग्रह केवल इतिहास की एक घटना नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, एकता और जनशक्ति का ऐसा प्रतीक है जिसने भारत की स्वतंत्रता की राह को सुदृढ़ बनाया।

इच्छा मृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

अजय कुमार,
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में जीवन के अधिकार को संविधान का सबसे महत्वपूर्ण अधिकार माना जाता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह बहस भी तेज हुई है कि क्या किसी व्यक्ति को गरिमा के साथ मरने का अधिकार भी होना चाहिए। गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट द्वारा पैसिव इच्छामृत्यु की अनुमति दिए जाने के बाद यह सवाल एक बार फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में आ गया है। यह फैसला केवल एक व्यक्ति के जीवन का निर्णय नहीं है, बल्कि यह उस जटिल स्थिति को भी सामने लाता है जिसमें आधुनिक चिकित्सा, कानून और मानवीय संवेदनाएं आपस में टकराती दिखाई देती हैं। हरीश राणा का मामला एक लंबे और पीड़ादायक संघर्ष की कहानी है। वर्ष 2013 में वह चंडीगढ़ में पढ़ाई कर रहे थे। उसी दौरान हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरने के कारण उनके सिर में गंभीर चोट लगी। इस दुर्घटना के बाद उनका मस्तिष्क बुरी तरह प्रभावित हो गया और वह स्थायी रूप से कोमा जैसी अवस्था में चले गए। डॉक्टरों के अनुसार उनका ब्रेन डैमेज इतना गंभीर था कि उनके होश में आने की संभावना बेहद कम थी। पिछले लगभग 13 वर्षों से वह अचेत अवस्था में बिस्तर पर पड़े थे और उनका जीवन केवल कृत्रिम पोषण, दवाओं और जीवन रक्षक चिकित्सा प्रणाली पर निर्भर था।लंबे समय तक बिस्तर पर पड़े रहने के कारण उनके

शरीर में कई तरह की जटिलताएं पैदा हो गई थीं। चिकित्सा रिपोर्ट के अनुसार लगातार लेटे रहने से उनके शरीर में बेड सोर यानी गंभीर घाव हो गए थे। डॉक्टरों की राय थी कि उनकी चेतना लौटने की संभावना लगभग समाप्त हो चुकी है। इस स्थिति में उनके माता-पिता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और अपने बेटे के लिए इच्छामृत्यु की अनुमति मांगी। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने एम्स की मेडिकल रिपोर्ट, विशेषज्ञों की राय और कानूनी प्रावधानों पर विचार करने के बाद पैसिव इच्छामृत्यु की अनुमति दे दी। अदालत ने माना कि जब कोई व्यक्ति वर्षों तक ऐसी स्थिति में रहता है जहां उसके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं होती और जीवन केवल मशीनों या कृत्रिम साधनों पर निर्भर होता है, तब गरिमा के साथ मृत्यु का अधिकार भी एक मानवीय प्रश्न बन जाता है। दरअसल इच्छामृत्यु का विषय चिकित्सा नैतिकता और कानून के सबसे जटिल मुद्दों में से एक है। इच्छा मृत्यु का अर्थ है किसी ऐसे व्यक्ति को मृत्यु की अनुमति देना जो असाध्य बीमारी, असहनीय दर्द या स्थायी अचेत अवस्था में हो और जिसके ठीक होने की संभावना न हो। आम तौर पर इच्छामृत्यु दो प्रकार की मानी जाती है एक्टिव इच्छामृत्यु और पैसिव इच्छामृत्यु।एक्टिव इच्छामृत्यु में डॉक्टर मरीज को ऐसी दवा या इंजेक्शन देते हैं जिससे उसकी तुरंत मृत्यु हो जाती है। भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में इसे अवैध माना जाता है क्योंकि इसे सीधे तौर पर किसी व्यक्ति की हत्या के समान माना जाता है। भारतीय न्याय संहिता 2023 के अनुसार जानबूझकर किसी व्यक्ति की मृत्यु का कारण बनना एक गंभीर अपराध है।दूसरी ओर पैसिव इच्छामृत्यु में डॉक्टर सीधे मृत्यु का कारण नहीं बनते, बल्कि जीवन रक्षक उपचार को हटा दिया जाता है। इसमें वेंटिलेटर हटाना, कृत्रिम भोजन बंद करना या इलाज रोक देना शामिल होता है। इसके बाद मरीज की मृत्यु स्वाभाविक रूप से होती है। भारत में सीमित परिस्थितियों में इसी प्रकार की इच्छा मृत्यु को कानूनी मान्यता दी गई है।भारत में इच्छामृत्यु की कानूनी बहस का इतिहास लगभग पांच दशकों पुराना है, लेकिन इसे स्पष्ट रूप से समझने की शुरूआत 2011 के अरुणा शॉनबाग मामले से हुई। अरुणा शॉनबाग मुंबई के केईएम अस्पताल में नर्स थीं। 27 नवंबर 1973 की रात एक वार्ड बॉय ने उन पर हमला किया। हमले के दौरान उनके गले को लोहे की चेन से कस दिया गया, जिससे उनके मस्तिष्क तक ऑक्सीजन की आपूर्ति रुक गई और उनका दिमाग गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना के बाद अरुणा शॉनबाग स्थायी वेजिटेटिव स्टेट में चली गईं। वह लगभग 42 वर्षों तक अस्पताल के बिस्तर पर रहीं। चिकित्सा विज्ञान में इसे परमानेंट वेजिटेटिव स्टेट कहा जाता है, जिसमें शरीर जीवित रहता है लेकिन चेतना लगभग समाप्त हो जाती है।2009 में पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता पिंकी विरानी ने सुप्रीम कोर्ट में अरुणा के लिए इच्छामृत्यु की याचिका दायर की। उनका तर्क था कि अरुणा दशकों से ऐसी स्थिति में जीवन जी रही हैं जो मानवीय गरिमा के खिलाफ है। हालांकि केईएम अस्पताल की नर्सों ने इसका विरोध किया और कहा कि वे अरुणा की देखभाल कर रही हैं।सुप्रीम कोर्ट ने 7 मार्च 2011 को इस याचिका को खारिज कर दिया, लेकिन अपने फैसले में पहली बार पैसिव इच्छा मृत्यु को कुछ शर्तों के साथ अनुमति देने का रास्ता खोल दिया।

युद्ध और पर्यावरण विनाश: क्या तय होगी युद्ध थोपने वाले नेताओं की जवाबदेही

मनमोहन प्रकाश

वर्तमान सदी में युद्ध केवल सीमाओं को बदलने या सत्ता परिवर्तन के लिए ही नहीं, बल्कि संसाधनों पर कब्जे, हथियारों के प्रदर्शन और उनके परीक्षण के लिए भी लड़े जा रहे हैं। चिंताजनक तथ्य यह है कि ये युद्ध न केवल मानव सभ्यता को पीछे धकेल रहे हैं, बल्कि पृथ्वी के पर्यावरण पर भी गहरे और दीर्घकालिक घाव छोड़ रहे हैं। युद्ध के दौरान फटने वाले बम, मिसाइलें और रासायनिक हथियार तेल भंडारों को राख कर रहे हैं, शहरों और जंगलों की हरियाली निगल रहे हैं, जल स्त्रोतों को दूषित कर रहे हैं और हवाओं को विषैला बना रहे हैं। इससे जमीन की उर्वरा शक्ति नष्ट हो रही है और जैव विविधता पर गहरा संकट मंडरा रहा है। विशेष ध्यान देने योग्य बात यह भी है कि युद्ध केवल भूमि और आकाश तक सीमित नहीं रहते, बल्कि इनका सबसे मूक और गहरा प्रभाव समुद्रों पर पड़ता है। नौसैनिक युद्धों के दौरान क्षतिग्रस्त होने वाले युद्धपोत और तेल टैंकरों से होने वाला 'ऑयल स्पिल' (तेल रिसाव) समुद्री जीवों के लिए मौत का वारंट बन जाता है। मिसाइल परीक्षणों और पनडुब्बियों द्वारा छोड़े गए मलबे से समुद्र के तल में भारी धातुएं जमा हो जाती हैं, जो खाद्य श्रृंखला के माध्यम से अंततः मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। इसके अतिरिक्त, आधुनिक युद्धों में उपयोग होने वाले शक्तिशाली सोनार सिस्टम समुद्री स्तनधारियों, जैसे व्हेल और डॉल्फिन की संचार क्षमता और दिशा-ज्ञान को नष्ट कर देते हैं, जिससे उनकी अकाल मृत्यु हो जाती है। लाल सागर और फारस की खाड़ी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में वर्तमान सैन्य हलचल वहां के कोरल रीफ (मूंगा चट्टानों) को भी अपूरणीय क्षति पहुँचा रही है, जो हजारों प्रजातियों का घर हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जब युद्ध पर्यावरण के इतने बड़े विनाश का कारण बनते हैं, तो क्या इन्हें शुरू करने वाले नेताओं और शक्तियों की पर्यावरणीय जवाबदेही तय नहीं की जानी चाहिए वर्तमान में पश्चिम एशिया का तनाव इस प्रश्न को और अधिक गंभीर बना रहा है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच छिड़ा संघर्ष अब भीषण रूप ले चुका है। दोनों ओर से घातक मिसाइलों और ड्रोनों की बरसात हो रही है। ऐसा ही भयावह मंजर रूस-यूक्रेन युद्ध में भी देखने को मिल रहा है। इन युद्धों का प्रभाव केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं है।

तेल भंडारों, सैन्य ठिकानों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर हमलों से निकलने वाला विषैला धुआं, रासायनिक गैसें और सूक्ष्म कण वैश्विक वायुमंडल में घुल रहे हैं। विकसित शहर मलबे के ढेर में बदल रहे हैं, जिससे जल, वायु, पृथ्वी और आकाश प्रदूषित होकर जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं।

अमेरिका ईरान लड़ाई से भारतीय रसोई में ईंधन की चिंता

मनोज कुमार अग्रवाल

गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर आ रही खबरों के बाद केंद्र सरकार सुपरएक्टिव हो गई है. सरकार ने घरेलू गैस उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने के साथ कई कड़े कदम उठाए हैं, जिससे राहत मिल सकती है. मिडिल ईस्ट संकट के बीच सरकार ने कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए कड़े कदम उठाए हैं और एस्मा लागू कर दिया है. सरकार ने आम एलपीजी सिलेंडर धारकों से कहा है कि वो घबराएं नहीं और सभी को पर्याप्त गैस आपूर्ति के लिए ठोस इंतजाम किए गए हैं. कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पर सुचारू बनाए रखने के लिए होटल-रेस्तरां एसोसिएशन और अन्य पक्षधारकों से बात की जा रही है.

आपको बता दें मिडिल ईस्ट में ईरान और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष का असर अब धीरे-धीरे पूरी दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था पर दिखाई देने लगा है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। बढ़ते तनाव के कारण तेल और गैस आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव बढ़ा है, जिसका प्रभाव देश में एलपीजी सिलेंडरों की उपलब्धता पर पड़ने लगा है। देश के कई शहरों से कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित होने की खबरें सामने आ रही हैं। होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग उद्योग में चिंता का माहौल है। हालांकि सरकार का कहना है कि देश में भरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता है और आम उपभोक्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात थोड़े जटिल दिखाई दे रहे हैं। दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस की सप्लाई पर रोक लगा दी है। इसके कारण गैस सप्लाई बंद हो गयी है और इसकी वजह से कई शहरों में रेस्टोरेंट्स और होटल बंद होने की नौबत आ गई है। दरअसल भारत की ऊर्जा जरूरतें तेजी से बढ़ रही हैं। एलपीजी की खपत भी लगातार बढ़ी है। वित्त वर्ष 2024-25 में देश में करीब 3.13 करोड़ टन एलपीजी की खपत दर्ज की गई। इसमें से केवल लगभग 1.28 करोड़ टन का उत्पादन देश के भीतर हुआ, जबकि बाकी मात्रा आयात के माध्यम से पूरी की गई। इसका मतलब यह है कि भारत अपनी कुल एलपीजी जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा विदेशों से आयात करता है। यही आयात निर्भरता किसी भी वैश्विक संकट के समय भारत के लिए चुनौती बन जाती है। पश्चिम एशिया भारत के लिए एलपीजी और कच्चे तेल का प्रमुख स्त्रोत है। भारत को सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों से बड़ी मात्रा में गैस और तेल मिलता है। इन देशों से होने वाले आयात का लगभग 85 से 90 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारत पहुंचता है। ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रहा है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहा। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20 प्रतिशत हिस्सा यहीं से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं। भारत अपनी जरूरत का 50 प्रतिशत कच्चा तेल और 54 प्रतिशत एलएनजी इसी रास्ते से मंगाता है। ईरान खुद इसी रूट से एक्सपोर्ट करता है यह जलमार्ग ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। लेकिन जब इस क्षेत्र में युद्ध जैसी स्थिति बनती है और समुद्री मार्ग प्रभावित होते हैं, तो इसका सीधा असर ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ता है। ईरानअमेरिका-इजरायल के बीच जारी संघर्ष के कारण इस क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ी है।

टकराव की तपिश में मध्य पूर्व

आरके जैन

मध्य पूर्व अचानक संघर्ष की भयंकर आग में झुलस रहा है। 6 मार्च को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से पूर्ण और बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग की – कोई सौदा नहीं, कोई मध्यस्थता नहीं, सिर्फ पूरी तरह जीत। यह अल्टीमेटम युद्ध के सातवें दिन आया, जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हजारों लक्षित हमले किए। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि केवल आत्मसमर्पण के बाद ही ईरान में नया महान और स्वीकार्य नेता चुना जाएगा और देश का पुनर्निर्माण होगा। इस मांग ने कूटनीतिक रास्तों को पूरी तरह बंद कर दिया है। वैश्विक मीडिया इसे मैक्सिमलिस्ट वॉर ऐम्स के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, जिससे साफ है कि यह संघर्ष लंबे समय तक जारी रह सकता है। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने इसे केवल एक सपना करार देते हुए पूरी तरह खारिज कर दिया, जिससे तनाव और भी गहरा गया है। खामेनेई के कड़े शब्दों ने अमेरिका के लिए सीधे चुनौती खड़ी कर दी। ईरान ने ट्रंप का अल्टीमेटम ठुकराते हुए कहा, हम अंत तक लड़ेंगे। इसके तुरंत बाद, ईरानी मल्टी-वारहेड मिसाइलों ने इजराइल और गल्फ क्षेत्रों को विनाश की आग में ढक दिया। 10 मार्च तक, युद्ध के 11वें दिन, 140 से अधिक अमेरिकी सैनिक घायल हो चुके हैं, जिनमें 8 की स्थिति गंभीर है। पेंटागन चुप्प है, लेकिन सुरक्षा विशेषज्ञ इसे साइलेंट किलर मोड कहते हैं। ईरान ने क्षेत्रीय सहयोगियों को सक्रिय किया, जिससे लेबनान में 10 लाख लोग विस्थापित हुए। यह संघर्ष अब एट्रिशन वार की ओर बढ़ रहा है, जहां कोई स्पष्ट विजेता दिखाई नहीं देता। ट्रंप का दावा कि ईरान की मिसाइल क्षमता 80% कम हो गई है, हकीकत से मेल नहीं खाता, क्योंकि जवाबी हमले लगातार जारी हैं। रूस के साथ ईरान की बातचीत अमेरिकी आर्थिक दबाव को और गहरा रही है। वैश्विक अर्थव्यवस्था संकट की कगार पर खड़ी है। संयुक्त राष्ट्र ने इसे मेजर ह्यूमैनिटेरियन इमरजेंसी घोषित किया। अब तक 1000 से अधिक नागरिक स्थल तबाह हो चुके हैं। मध्य पूर्व में अस्थिरता फैल रही है, बेरूत से तेहरान तक बमबारी जारी है। तेल की कीमतें 91 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच गई हैं और होर्मुज स्ट्रेट में खतरे के कारण और बढ़ सकती हैं। जर्मन चांसलर ने चेतावनी दी कि बिना ठोस एग्जिट प्लान के युद्ध अनंत तक खिंच सकता है। चीन ने ईरान को स्पष्ट संदेश दिया कि अमेरिका और इजराइल को चुनौती न दें, जबकि रूस का समर्थन ईरान को जारी है।

गृह कलह का अंजाम: हत्यारिन निकली मां, अपने ही पुत्र को मार डाला

महिला गिरफ्तार, आलाकत्ल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। गंगानगर-जोन के थाना सरायममरेज में धारा-103(1)/238 से सम्बन्धित अभियुक्ता मनोरमा यादव निवासिनी पुरे जयसिंह पिलखनी थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सरायममरेज पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया। आरोपी महिला की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल सीमेन्ट व बालू से निर्मित कोरदार ठोस फर्श का टुकड़ा बरामद किया गया।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार की गई महिला ने11 मार्च को अपने ही 5 माह के पुत्र की हत्या कर उसके शव को रसोई के घर में छिपा दिया था। इस सम्बन्ध में थाना सरायममरेज में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिला से पूछताछ करने पर यह तथ्य प्रकाश में आया है कि 11 मार्च को किसी बात को लेकर अपने पति से लड़ाई-झगड़ा किया परन्तु पुत्र को अपने साथ न ले जाने पर क्रोध में आने के कारण सीमेन्ट व बालू से निर्मित कोरदार ठोस फर्श का टुकड़े से अपने पुत्र के पेट में मार कर उसकी हत्या कर दी गयी एवं शव को रसोई के घर में छुपा दिया गया था। गिरफ्तार महिला को पुलिस ने जेल भेज दिया।

फतेहपुर के अवैध मतांतरण के आरोपियों की सशर्त जमानत मंजूर

प्रयागराज।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फतेहपुर के अवैध मतांतरण के आरोपी डेविड ग्लैडविन और अभिषेक ग्राल्डविन की सशर्त जमानत मंजूर कर ली है। यह आदेश न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव ने दिया है।

आरोपियों के खिलाफ थाना राधानगर में भारतीय न्याय संहिता, की धारा 299, 351 (3) और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/5(1) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। याची अधिवक्ता का कहना था कि वे निर्दोष हैं और उन्हें झूठा फंसाया गया है। घटना के समय वहां कोई धर्मांतरण नहीं हो रहा था, बल्कि केवल प्रार्थना सभा आयोजित की गई थी। कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और वे 29 दिसंबर 2025 से जेल में बंद हैं।

युवक ने गोली मारकर की खुदकुशी

शाहजहांपुर।

उत्तर प्रदेश के जनपद शाहजहांपुर के कांट थाना क्षेत्र में बुधवार की देर शाम एक युवक ने गोली मारकर खुदकुशी कर ली।

कांट थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश मौर्या ने बताया कि अजीजपुर जिगनेरा निवासी सतीश वर्मा (34) की अजीजपुर जिगनेरा स्थित स्वशाषी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के पास सतीश जनरल स्टोर के नाम से दुकान है। बुधवार की देर शाम करीब सात बजे पुलिस को सूचना मिली कि सतीश ने दुकान के अंदर खुद को गोली मारकर कर खुदकुशी कर ली। पुलिस मौके पर पहुंची और परिवारवालों से घटना के सम्बंध में जनकारी ली।

उन्होंने बताया की सतीश को कुछ दिन पूर्व हेपेटाइटिस सी हो गया था। सतीश ने जमीन गिरवी रख कर अपना ऑपरेशन कराया था और वो कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान भी चल रहा था।

एचएलबी के नक्शा नजरी के लंबित प्रकरणों को शीघ्र करें निस्तारित : एसडीएम

मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे ने अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद समेत कई अफसरों से मिलकर सौंपा ज्ञापन

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। मंडलायुक्त प्रयागराज सौम्या अग्रवाल द्वारा किसानों का एक भी सही कार्य न किए जाने से नाराज भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे ने जनपद प्रयागराज एवं प्रयागराज मंडल के किसानों से जुड़ी कई गंभीर समस्या जैसे प्रयागराज की तहसील सोराव में जमीन का सर्किल रेट बढ़ाए जाने वा आवास विकास परिषद प्रयागराज के द्वारा ग्राम टिकरी एवं कई अन्य गांवों में जबरन किसानों की बेसकीमती बहु फसलीय जमीन का अधिग्रहण किए जाने तथा पूर्व में तहसील सोरांव में चकबंदी अधिकारियों द्वारा बेदखल किए गए किसानों को चिन्हित कर उनकी जमीन पुनः किसानों के नाम किये जाने तथा प्रयागराज मंडल में महीने के तीसरे बुधवार को किसान दिवस कार्यक्रम में किसानों को

सूचित कर उनके साथ बैठक किए जाने एवं कौशांबी जनपद में जमुना के किनारे शवदाह गृह बनाए जाने तथा विद्युत विभाग का स्टोर बनाए व प्रयागराज मंडल की सभी न्याय पंचायत में सरकारी जमीन चिन्हित कर पशु बड़ा बनाए जाने एवं पशु को पशु बाड़ा में पहुंचाये जाने सहित अन्य कई समस्या को लेकर 19 सूत्रीय ज्ञापन अपर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश संजय प्रसाद, डॉ ऋषिकेश भास्कर यशूद चकबंदी आयुक्त उत्तर से मिलकर उन्हें सौंपा विजय विश्वास पंत मंडला आयुक्त मंडल लखनऊ एवं तरुण गाबा अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ अतिरिक्त सुरक्षा सीमित उत्तर से भी किसान नेता बबलू दुबे ने मुलाकात की इस अवसर पर अंगद मौर्या ब्लॉक अध्यक्ष खुर्शीद आलम न्याय पंचायत अध्यक्ष मुन्ना मिश्रा ब्लॉक उपाध्यक्ष आदि लोग मौजूद रहे ।

वाराणसी में 14 से 16 मार्च तक अंतर्राष्ट्रीय गौ महोत्सव 2026 का आयोजन

वाराणसी। अंतर्राष्ट्रीय गौ महोत्सव-2026 का आयोजन 14 मार्च से 16 मार्च तक वाराणसी में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के कृषि विज्ञान संस्थान के शताब्दी कृषि सभागार में होने जा रहा है। उक्त जानकारी आयोजन सदस्य धनंजय ओझा ने दी है।

धनंजय ओझा ने कहा कि गौ संस्कृति का उत्सव, ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महोत्सव जैसे विषय बिंदु पर महोत्सव में चर्चा होगी। तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन गौ संरक्षण, पंचगव्य अनुसंधान, प्राकृतिक कृषि, ग्रामीण उद्यमिता तथा गौ-आधारित अर्थव्यवस्था के विकास को समर्पित रहने वाला है। इस महोत्सव में देश-विदेश के किसान, गौशाला संचालक, वैज्ञानिक, शोधार्थी, स्टार्टअप उद्यमी, नीति विशेषज्ञ तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एक मंच पर एकत्रित होंगे और गौ आधारित सतत विकास, जैविक कृषि, पंचगव्य चिकित्सा तथा ग्रामीण नवाचारों पर विचार-विमर्श करेंगे।

चार अप्रैल को दिल्ली कूच करेंगे शिक्षक,टेट की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने के विरोध में शिक्षक संगठन लामबंद होने लगे है। टेट की अनिवार्यता को समाप्त करने के लिए मुखर शिक्षक संगठन दिल्ली के रामलीला मैदान में चार अप्रैल को महारैली कर एकजुटता दिखायेंगे। गुरूवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ वाराणसी से जुड़े शिक्षक नेता सनत कुमार सिंह ने बताया कि टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ दिनेश चन्द्र शर्मा ने लाखों शिक्षकों के हित में भारत सरकार से माँग रखी है कि आरटीई से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टेट की अनिवार्यता को समाप्त करने के लिए कानून बनाया जाये। इस सम्बन्ध में डॉ दिनेश चन्द्र शर्मा की अगुवाई में टीएफआई के प्रतिनिधि मंडल ने 19 दिसम्बर को केंद्रीय शिक्षा मंत्री से वार्ता करके ज्ञापन सौंपा था । उम्मीद जगी थी कि बजट सत्र में सरकार इस विषय पर विधेयक लाएगी,परन्तु अभी तक ऐसा नहीं हुआ जिससे शिक्षकों में असंतोष व्याप्त है। प्रदेश के सभी जनपदों में संघ द्वारा दो-दो बार जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी को ज्ञापन प्रेषित किया गया। इसके अलावा सांसदों को भी ज्ञापन सौंपा गया। कई सांसदों ने संसद में विषय को उठाया। लेकिन शिक्षा मंत्रालय देश के 20 लाख शिक्षक व उनके परिवार के प्रति संवेदनशील नहीं है।

मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की विकास योजनाओं की समीक्षा

गोरखपुर।

उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जनकल्याणकारी एवं विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान गोरखपुर मंडलायुक्त सभागार में मंडलायुक्त अनिल ढींगरा, जिलाधिकारी दीपक मीणा, मुख्य विकास अधिकारी शाश्वत त्रिपुरारी, अपर आयुक्त (प्रशासन) जय प्रकाश सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मुख्य सचिव ने अधिकारियों से कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

मुख्य सचिव ने बेसिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में बालक और बालिकाओं के लिए शौचालयों की उपलब्धता और उनकी क्रियाशीलता की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि जिन विद्यालयों में शौचालय नहीं हैं अथवा जो उपयोग की स्थिति में नहीं हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर ठीक कराया जाए।

उन्होंने कहा कि विद्यालयों में स्वच्छ और क्रियाशील शौचालय की व्यवस्था विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

बैठक में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र लाभार्थियों के अधिक से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं, ताकि गरीब और जरूरतमंद परिवारों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। उन्होंने अस्पतालों में योजना के अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं की भी जानकारी ली और कहा कि लाभार्थियों को उपचार में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना और उसके संचालन की स्थिति के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी से छात्रों और युवाओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से अध्ययन की बेहतर सुविधा मिलती है, इसलिए इसकी व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए। मुख्य सचिव ने पंचायत स्तर पर बनाए जा रहे पंचायत उत्सव भवनों की प्रगति की भी समीक्षा की।

कलेक्ट्रेट परिसर के दफ्तरों का मंडलायुक्त ने किया निरीक्षण

लंबित वादों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी एवं उप जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण से पूर्व मंडलायुक्त ने संगम सभागार में विभिन्न पटलों से जुड़े लिपिकों एवं पटल सहायकों के साथ बैठक कर उन्हें अपने-अपने पटलों पर लंबित सबसे पुराने वादों की स्थिति तथा पेंडेंसी से संबंधित अद्यतन जानकारी तैयार रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण की शुरूआत अपर जिलाधिकारी (शहर) की न्यायालय से की गई, जहां पाँच वर्ष से अधिक समय से लंबित वादों की समीक्षा की गई। कई मामलों में लंबित रहने के कारण संतोषजनक नहीं पाए जाने पर मंडलायुक्त ने फूड सेफ्टी से संबंधित सभी प्रकरणों की सूची तैयार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों में खाद्य मिलावट जैसे गंभीर आरोप नहीं हैं, उनमें शीघ्र आख्या लगाकर निस्तारण किया जाए। वहीं, गंभीर मामलों में विधिसम्मत अभियोजन की कार्रवाई करते हुए उन्हें भी समयबद्ध रूप से निष्पादित किया जाए। फूड सेफ्टी एवं रेंट कंट्रोल से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि पाक्षिक आधार पर विशेष कैंप आयोजित कर लंबित प्रकरणों का निस्तारण कराया जाए, जिससे पेंडेंसी में कमी लाई जा सके। मंडलायुक्त ने न्यायिक सहायक (जे.ए.) न्याय के पटल का भी निरीक्षण किया, जहां टाउन एरिया से संबंधित वादों का निस्तारण किया जाता है। गार्ड फाइल की समीक्षा के दौरान आवश्यक आदेशों और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को व्यवस्थित रूप से संलग्न रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही संबंधित अपर जिलाधिकारी को पटलवार लंबित मामलों की मासिक समीक्षा कर उनके निस्तारण की प्रगति सुनिश्चित करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर पटल सहायक द्वारा की गई प्रविष्टियां त्रुटिपूर्ण पाए जाने पर उन्हें फटकार लगाते हुए सभी प्रविष्टियों की पुनः जांच कर उन्हें सही कराने के निर्देश दिए गए। सर्विसेज सत्यापन से संबंधित लंबित प्रकरणों के संबंध में बताए जाने पर की यहां से रिपोर्ट भेजे जाने के बाद भी पुलिस कमिश्नर कार्यालय से सत्यापन आख्या समय से प्राप्त नहीं हो पाती है, मंडलायुक्त ने लंबित प्रकरणों की सूची तैयार कर जिलाधिकारी के माध्यम से पुलिस कमिश्नर को अवगत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली में सुधार का सुझाव देते हुए कहा कि वर्तमान में अलग-अलग प्रविष्टियों के लिए कई रजिस्टर होने से समन्वय में कठिनाई होती है। इसलिए सत्यापन आख्या प्राप्त होने के बाद उसी रजिस्टर में प्रविष्टि दर्ज करने अथवा एक अतिरिक्त कॉलम जोड़कर टिप्पणियां अंकित करने की व्यवस्था लागू की जाए। मंडलायुक्त ने डाक विभाग, न्यायिक अभिलेखागार और राजस्व अभिलेखागार का भी निरीक्षण किया। फाइलों की व्यवस्थित स्टैकिंग सुनिश्चित करने तथा जिन कपड़ों में फाइलें सुरक्षित रखी गई हैं उन्हें आवश्यकतानुसार ठीक करने या बदलने के निर्देश दिए गए। अभिलेखागारों में फाइलों की सूचीबद्धता संतोषजनक न पाए जाने पर सभी फाइलों का व्यवस्थित इंडेक्स तैयार कराने के निर्देश दिए गए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर अभिलेख आसानी से उपलब्ध हो सकें। इसके लिए विशेष अभियान चलाकर चकबंदी एवं अन्य विभागों से आवश्यकतानुसार लेखपालों तथा अधिकारियों की टीम बनाकर सहयोग लेने को कहा गया। न्यायिक अभिलेखागार में थाना-वार तथा राजस्व अभिलेखागार में तहसील-वार इंडेक्सिंग करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अत्यंत पुराने एवं अनुपयोगी अभिलेखों की सूची बनाकर नियमों के अनुसार उनका विधिवत निस्तारण करने को कहा गया।निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने एसएलएओ तथा एलआरसी कार्यालयों का भी अवलोकन किया। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि न्यायालयों में लंबित मामलों के कारण अवरुद्ध सरकारी प्राइम भूमि की प्रभावी पैरवी कर उसे मुक्त कराने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएं, ताकि इन परिसंपत्तियों का उपयोग जनहित के कार्यों में किया जा सके।

इस दौरान कलेक्ट्रेट परिसर स्थित क्लॉक टावर का भी निरीक्षण किया गया। घड़ी बंद पाए जाने पर उन्होंने जिलाधिकारी को स्मार्ट सिटी परियोजना के माध्यम से उसे शीघ्र दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।

कोर्ट ने याची को नोटिस का जवाब देने का आदेश देते हुए याचिका की खारिज

प्रयागराज।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बीरेंद्र बहादुर यादव को ए डी एम वित्त एवं राजस्व आजमगढ़ द्वारा गुंडा नियंत्रण कानून के तहत जारी नोटिस का जवाब दाखिल करने का आदेश देते हुए याचिका खारिज कर दी है।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव मिश्रा तथा न्यायमूर्ति लक्ष्मीकांत शुक्ल की खंडपीठ ने बीरेंद्र बहादुर यादव की याचिका पर दिया है।

तृतीय अन्तर्जनपदीय हैंडबॉल कलस्टर व बास्केट बॉल प्रतियोगिता का समापन समारोह

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। रिजर्व पुलिस लाइन में प्रचलित मेरठ जोन,मेरठ की तृतीय अंतरजनपदीय हैंडबॉल कलस्टर (महिला पुरूष) हैंडबॉल व बास्केटबॉल प्रतियोगिता वर्ष 2026 का समापन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह की उपस्थिति में किया गया। समापन के अवसर पर खिलाडियों का उत्साहवर्धन करते हुए विजेता टीम के खिलाडियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये।

प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर बास्केटबॉल पुरुष वर्ग का फाइनल मैच कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर व जनपद बुलंदशहर के मध्य खेला गया जिसमें बुलंदशहर की टीम द्वारा कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर की टीम को 42-29 अंको से हराकर फाइनल में विजय प्राप्त की, जिससे जनपद बुलन्दशहर को मेरठ जोन मेरठ में वर्ष-2026 का चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया।

बास्केटबॉल महिला वर्ग के फाइनल मैच में जनपद मेरठ द्वारा जनपद गाजियाबाद को हराकर विजय प्राप्त की। हैंडबॉल पुरूष वर्ग के फाइनल मैच में जनपद मेरठ द्वारा जनपद बुलन्दशहर को हराकर विजय प्राप्त की। हैंडबॉल महिला वर्ग के फाइनल मैच में जनपद मेरठ द्वारा जनपद हापुड को हराकर विजय प्राप्त की।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ तेजवीर सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर प्रखर पांडेय तथा प्रतिसार निरीक्षक लाइन अजय कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के परिणाम

1- बास्केटबॉल पुरुष विजेता - बुलंदशहर
2- बास्केटबॉल महिला विजेता - मेरठ
3- हैंडबॉल पुरुष विजेता - मेरठ
4- हैंडबॉल महिला विजेता - मेरठ

पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई बोर्ड परीक्षा : सचिव भगवती सिंह

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रयागराज,कौशांबी गाजीपुर, जौनपुर के 20 परीक्षा केंद्रों पर लगाये गये थे जैमर

18 परीक्षार्थी नकल करते हुए पकड़े गए

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। एशिया की सबसे बड़ी परीक्षा संस्था यूपी बोर्ड की वर्ष - 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं गुरुवार को संपन्न हो गई। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने आज बताया कि यूपी बोर्ड की परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च तक 15 कार्य दिवसों से में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यूपी बोर्ड के सचिव ने बताया कि हाई स्कूल की परीक्षा में इस बार छात्र - छात्राओं की उपस्थिति 26 लाख और इंटरमीडिएट में 24.5 लाख रही है।यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने ने दावा किया है कि यूपी बोर्ड की परीक्षाएं नकल माफिया, साल्वर गिरोह, छद्म परीक्षार्थियों और पेपर लीक करने वाले अराजक तत्वों के प्रयासों को निष्फल करते हुए पूरी तरह से नकल विहीन, शुचिता पूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई गई हैं।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने परीक्षा संपन्न होने के बाद बताया है कि प्रश्न पत्रों की अभेद्य सुरक्षा की व्यवस्था की गई थी। प्रदेश के 8033 परीक्षा केंद्रों के लगभग 1.22 लाख परीक्षा कक्षों और परिसरों में 2.89 लाख से अधिक वॉइस रिकॉर्डर युक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे जिससे 24 घंटे सातों दिन निगरानी की गई। इसके लिए हर जिले में जनपद स्तरीय कंट्रोल रूम, शिविर कार्यालय लखनऊ में राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम की स्थापना के साथ ही यूपी बोर्ड मुख्यालय प्रयागराज और पांचों क्षेत्रीय कार्यालयों मेरठ, बरेली, प्रयागराज,वाराणसी और गोरखपुर में कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित किया गया था। जहां से यूपी बोर्ड परीक्षा की लगातार मॉनिटरिंग की गई। यूपी बोर्ड परीक्षा के दौरान 12 जिलों के 16 परीक्षा केंद्रों पर मानक संचालन प्रक्रिया का पालन न करने और 11 जिलों में 17 परीक्षा केंद्रों के संबंध में नकल संबंधित शिकायत मिलने पर कारण बताओं नोटिस जारी किया गया।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि सभी जिलों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों में सभी विषयों के प्रश्न पत्रों के अतिरिक्त रिजर्व सेट की व्यवस्था यूपी बोर्ड द्वारा की गई थी। उत्तर पुस्तिकाओं को पहली बार ए- 4 पोर्ट्रेट आकार में तैयार किया गया। सभी प्रश्नों पर यूपीएमएसपी

के सूक्ष्म अंकन से मार्जिन लाइन बनाई गई थी। उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए उन पर सुरक्षात्मक क्यू आर कोड, क्रमांक, प्रत्येक पृष्ठ पर परिषद का लोगो और पृष्ठ संख्या का मुद्रण किया गया था। सिलाई युक्त उत्तर पुस्तिकाओं को चार भिन्न रंगों में तैयार कराया गया था। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि इंटर की प्रयोगात्मक परीक्षाओं के प्राप्तांक परीक्षकों द्वारा पोर्टल व मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन अपलोड कराया गया।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि इस बार यूपी बोर्ड परीक्षा में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रदेश के चार जिलों प्रयागराज,कौशांबी गाजीपुर और जौनपुर के 20 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा अवधि के दौरान जैमर स्थापित किए गए थे। इसमें प्रयागराज में सात, कौशांबी में तीन, जौनपुर में पांच और गाजीपुर में पांच परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाए गए थे।

उन्होने बताया कि सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाओं को रोकने के लिए यूपी बोर्ड के मुख्यालय में क्विक रिस्पांस टीम यानि क्यू आर टी का गठन किया गया था। परीक्षा के दौरान क्यू आर टी द्वारा लगातार निगरानी के बाद कुछ यूट्यूब चैनलों द्वारा विगत वर्षों के एडिटेड प्रश्न पत्र प्रश्न पत्र के साथ बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्र वायरल शीर्षक से वीडियो अपलोड किए गए जिससे लोगों में भ्रामक और फर्जी सूचनाओं को प्रसारित करने की कृत्य का संज्ञान लेते हुए ऐसे

यूट्यूब चैनल के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि वॉइस रिकॉर्डर युक्त सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से त्रिस्तरीय निगरानी प्रणाली बोर्ड परीक्षा में अपनाई गई। कक्ष निरीक्षकों व सचल दलों की निरंतर सतर्कता और सक्रियता के चलते प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर इस वर्ष मात्र 49 ऐसे प्रकरण प्रकाश में आए जहां पर पंजीकृत मूल परीक्षार्थी के स्थान पर छद्म परीक्षार्थी यानि मुन्ना भाई परीक्षा देते हुए पकड़े गए। सभी प्रकरणों में परिषद के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों का निवारण अधिनियम 2024 की सुसंगत धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसके साथ ही 18 परीक्षार्थी नकल करते हुए पकड़े गए हैं।

इन सभी योजनाबद्ध और समन्वित प्रयासों के परिणाम स्वरुप 2026 की बोर्ड परीक्षा शुचिता पूर्ण, नकल विहीन एवं शांति पूर्ण और पारदर्शी ढंग से सफलतापूर्वक आयोजित की गई है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि बोर्ड परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य प्रदेश में निर्धारित किए गए 250 मूल्यांकन केंद्रों पर 18 मार्च 2026 से 1 अप्रैल 2026 के बीच संपादित होगा। प्रदेश में निर्धारित कुल 75 संकलन केंद्रों से मूल्यांकन केंद्रों को उत्तर पुस्तिकाएं 15 मार्च 17 मार्च के बीच भेजी जाएंगी।

यूपी बोर्ड के सचिव ने बताया कि मूल्यांकन केंद्रों पर सुरक्षा की दृष्टि से 24 घंटे सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए गए हैं। केंद्रों पर मूल्यांकन कार्य में नियुक्त अध्यापकों और कार्मिकों के अतिरिक्त किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। मूल्यांकन कार्य के संचालन के लिए 75 मुख्य नियंत्रक और 250 उप नियंत्रकों की तैनाती की गई है। जिले स्तर पर मूल्यांकन कार्यों में प्रभावी निगरानी के लिए सभी जिलों में पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिए गए हैं। इसके साथ ही प्रत्येक मूल्यांकन केंद्र पर डीएम द्वारा स्टैटिक मजिस्ट्रेट की भी तैनाती की गई है।

यूपी बोर्ड सचिव ने बताया कि हाई स्कूल की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए लगभग 4300 अंकेक्षक, 8550 उप प्रधान परीक्षक और 83800 परीक्षक नियुक्त किए गए हैं। ? इस प्रकार इंटर स्तर पर लगभग 2590 अंकेक्षक, 5300 प्रधान परीक्षक और 48990 परीक्षकों की नियुक्ति की गई है। यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से नियुक्त लगभग 1 लाख 53 हजार कर्मियों द्वारा संपादित किया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा परिषद के कमांड एंड कंट्रोल रूम से सुबह 8:00 से रात 8:00 बजे तक सभी 250 मूल्यांकन केंद्रों की ऑनलाइन सतत निगरानी के लिए छह-छह घंटे की दो शिफ्ट में कार्मिकों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके साथ ही पायलट प्रोजेक्ट के तहत पांच जिलों प्रयागराज, मेरठ,बरेली, वाराणसी और गोरखपुर में पारंपरिक व्यवस्था के साथ-साथ यूपी बोर्ड के पोर्टल पर ऑनलाइन अंक अपलोड किए जाने की व्यवस्था लागू की गई है।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने एक बार फिर से दोहराया है कि माध्यमिक शिक्षा परिषद परीक्षाओं के मूल्यांकन की निष्पक्ष और प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

महंगाई भत्ता का इंतजार कर रहे कर्मचारी, सरकार कब करेगी डीए देने का ऐलान

नई दिल्ली।

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को इस समय जिस घोषणा का सबसे ज्यादा इंतजार है, वह है जनवरी जून 2026 के लिए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में बढ़ोतरी। आमतौर पर सरकार साल में दो बार डीए बढ़ाती है एक बार होली के आसपास और दूसरी बार दिवाली से पहले। इस बार होली बीत जाने के बाद भी अभी तक कोई घोषणा नहीं हुई है। कर्मचारियों के बीच चर्चा है कि आखिर सरकार कब डीए का ऐलान करेगी। फिलहाल केंद्रीय कर्मचारियों को 58 फीसदी महंगाई भत्ता मिल रहा है। हाल के महंगाई के आंकड़ों के आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है कि जनवरी 2026 से डीए में करीब 2 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो डीए बढ़कर करीब 60 फीसदी तक पहुंच जाएगा। यह अनुमान जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 तक के 12 महीने के औसत ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स - इंडस्ट्रियल वर्कर्स के आधार पर लगाया गया है, जो करीब 145.54 रहा है। इस गणना के मुताबिक डीए करीब 60.33 फीसदी बनता है, जिसे आमतौर पर 60 फीसदी पर राउंड ऑफ किया जाता है। इसी बीच एक और चर्चा तेजी से चल रही है कि क्या सरकार मौजूदा डीए को बेसिक सैलरी में मर्ज करने जा रही है। कई कर्मचारी संगठनों की मांग है कि जब डीए 50 फीसदी से ज्यादा हो चुका है, तो इसे बेसिक पे में जोड़ दिया जाना चाहिए, लेकिन सरकार का रुख इस मुद्दे पर फिलहाल साफ है।

दिसंबर 2025 में संसद में दिए गए लिखित जवाब में सरकार ने कहा था कि डीए को बेसिक वेतन में मिलाने का कोई प्रस्ताव फिलहाल विचाराधीन नहीं है।बता दें 7वें वेतन आयोग का कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को खत्म हो चुका है और अब 8वां वेतन आयोग अपना काम शुरू कर चुका है, लेकिन इसकी सिफारिशों को लागू होने में अभी काफी समय लग सकता है।

आमतौर पर किसी भी वेतन आयोग को अपनी रिपोर्ट तैयार करने में करीब 18 महीने लगते हैं, जबकि उसके बाद समीक्षा, कैबिनेट मंजूरी और लागू करने की प्रक्रिया में करीब 6 महीने का समय और लगता है। ऐसे में माना जा रहा है कि 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 2027 के अंत से पहले लागू होना मुश्किल है। फिलहाल कर्मचारियों की नजर सरकार की अगली डीए घोषणा पर टिकी है।

अमेरिका टेक्सास के ब्राउन्सविल में नए तेल रिफाइनरी खुलेगी, 50 सालों में पहली होगी

ट्रंप ने इसे 300 अरब डॉलर के समझौते का हिस्सा बताया, रिलायंस को दिया धन्यवाद

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टेक्सास के ब्राउन्सविल में एक नए तेल रिफाइनरी प्रोजेक्ट की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह अमेरिका में पिछले 50 सालों में बनने वाली पहली नई तेल रिफाइनरी होगी। ट्रंप ने इसे 300 अरब डॉलर के समझौते का हिस्सा बताया और इस निवेश के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज को धन्यवाद दिया। ट्रंप ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर साझा की। उन्होंने कहा कि यह रिफाइनरी अमेरिकी ऊर्जा बाजार को मजबूत करेगी और देश की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाएगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि यह प्रोजेक्ट अमेरिकी ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि अमेरिका फिर से ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। आज मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि 'अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग' टेक्सास के ब्राउन्सविल में अमेरिका की पहली नई तेल रिफाइनरी खुल रही है, जो 50 सालों में पहली है। यह 300 अरब डॉलर का ऐतिहासिक समझौता है और अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा सौदा है। इससे अमेरिकी कामगारों, ऊर्जा क्षेत्र और दक्षिण टेक्सास के लोगों को बड़ा फायदा होगा। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है। यह संघर्ष अब ईरान से आगे बढ़कर अन्य क्षेत्रों तक फैल गया है। ईरान ने अमेरिका के सैन्य ठिकानों, दूतावासों और खाड़ी देशों में ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इनमें संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर, कुवैत और बहरीन जैसे देश शामिल हैं। इस संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ा है, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास।

ईरान से युद्ध के बीच अमेरिका ने किया 300 अरब डॉलर की डील का ऐलान

यह निवेश अमेरिकी ऊर्जा ढांचे को मजबूत करेगा, हजारों नौकरियां होंगी पैदा

नई दिल्ली।

मिडिल ईस्ट में युद्ध के माहौल के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने करीब 300 अरब डॉलर की मेगा डील का ऐलान किया है, जिसमें भारत की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज साझेदार के रूप में शामिल होगी। यह निवेश टेक्सास में बनने वाले एक विशाल ऑयल रिफाइनरी परियोजना से जुड़ा है। ट्रंप ने इसे ऐतिहासिक डील बताते हुए कहा कि यह निवेश अमेरिकी ऊर्जा ढांचे को मजबूत करेगा और हजारों नई नौकरियां पैदा करेगा।

ट्रंप ने कहा कि यह रिफाइनरी अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग द्वारा टेक्सास के ब्राउन्सविल बंदरगाह पर लगाई जाएगी। उनका कहना है कि यह पिछले करीब 50 सालों में अमेरिका में बनने वाली पहली नई ऑयल रिफाइनरी हो सकती है। यह परियोजना देश की रिफाइनिंग क्षमता बढ़ाने और ऊर्जा अवसंरचना को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। हालांकि फिलहाल इस निवेश की फंडिंग और वित्तीय संरचना को लेकर विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। ट्रंप ने भारत के साझेदारों और खास तौर पर मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का उल्लेख करते हुए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भारत की इस प्रमुख ऊर्जा कंपनी का सहयोग इस परियोजना को आगे बढ़ाने में अहम रहेगा। ट्रंप ने कहा कि उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति, परमिट प्रक्रिया को सरल बनाने और टैक्स में कमी जैसे कदमों के कारण देश में बड़े पैमाने पर निवेश आ रहा है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब ईरान से जुड़े क्षेत्रीय तनाव और वैश्विक आपूर्ति में संभावित बाधाओं के कारण तेल बाजार में चिंता बनी हुई है। अमेरिकी प्रशासन ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रहा है। हालांकि इस नए प्रस्ताव को लेकर रिलायंस इंडस्ट्रीज या अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग की ओर से अभी तक आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। विशेषज्ञों के मुताबिक अमेरिका में पिछले डेढ़ दशक में शेल क्रांति के कारण तेल उत्पादन तेजी से बढ़ा है, लेकिन रिफाइनिंग क्षमता उसी अनुपात में नहीं बढ़ पाई। नई रिफाइनरी स्थापित करना महंगा होने के साथ-साथ जटिल परमिट प्रक्रिया और पर्यावरणीय विरोध के कारण चुनौतीपूर्ण माना जाता है।

एलपीजी की कमी के चलते होम अप्लायंसेज बनाने वाली कंपनियों के शेयर उछले

-देशभर में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर इलेक्ट्रिक इंडक्शन चूल्हे की मांग में आई तेजी

मुंबई।

मध्य पूर्व में तनाव के चलते एलपीजी की कमी के बाद देश में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर इलेक्ट्रिक इंडक्शन चूल्हे की मांग में तेजी देखी जा रही है और इससे बुधवार को होम अप्लायंसेज बनाने वाली कंपनियों के शेयर में तेजी देखी गई। बटरफ्लाई गांधीमथी अप्लायंसेज के शेयर इंट्राडे में दोपहर 12-45 पर 7.93 फीसदी की तेजी के साथ 651 रुपए पर था। दिन में शेयर ने 660 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ। टीटीके प्रेस्टीज का शेयर 9.40 फीसदी की तेजी के साथ 530 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में इसने 556 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। पिजन नाम में प्रोडक्ट्स बेचने वाली कंपनी स्टोव क्राफ्ट का शेयर 5.05 फीसदी की तेजी के साथ 510 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में शेयर ने 525 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। दूसरी तरफ, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि एलपीजी संकट के देखते हुए शहरी परिवारों को इलेक्ट्रिक इंडक्शन स्टोव से खाना पकाने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया जाना चाहिए।

सीईईडब्ल्यू के फेलो अभिषेक कार ने कहा कि भारत अपनी एलपीजी का लगभग दो-तिहाई हिस्सा आयात करता है, जिसमें से 90 फीसदी से अधिक पश्चिम एशियाई देशों जैसे यूएई, कतर और सऊदी अरब से आता है। उन्होंने सुझाव दिया, घरेलू खाना पकाने के लिए एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देने की जरुरत वस्तु अधिनियम लागू करना पहला, लेकिन एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार को अब एलपीजी सब्सिडी के लिए चलाए गए गिव इट अप अभियान की तर्ज पर एलपीजी उपयोग पर एक नया गिव इट अप अभियान शुरू करना चाहिए, जो उन परिवारों को टारगेट करे जिनके पास इलेक्ट्रिक इंडक्शन स्टोव हैं या जो इसे वहन कर सकते हैं। इससे घरेलू एलपीजी की मांग पर दबाव कम होगा।उन्होंने कहा कि शहरी परिवारों को इलेक्ट्रिक इंडक्शन स्टोव से खाना पकाने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने अपने सदस्यों से एलपीजी की खपत कम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वे ऐसे मेनू पर ध्यान केंद्रित करें जिनमें कम गैस की खपत हो या खाना पकाने में कम समय लगे।

शेयर बाजार में गिरावट का दौर फिर भी अडानी के शेयर भर रहे उड़ान

अडानी टोटल गैस के शेयर में सबसे ज्यादा 17फीसदी का उछाल आया

नई दिल्ली।

शेयर मार्केट में इस समय गिरावट चल रही है। सेंसेक्स 1000 से ज्यादा अंकों का गोता लगा चुका है और निफ्टी 24000 के नीचे है। इसके बावजूद अडानी ग्रुप का एक शेयर उछाल मार रहा है। दरअसल ईरान-इजराइल युद्ध के बीच गैस सप्लाई में आई रुकावट के कारण भारतीय शेयर मार्केट में गैस से जुड़े कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी गई। अडानी टोटल गैस के शेयर में सबसे ज्यादा करीब 17फीसदी का उछाल आया और यह 560.30 रुपए के उच्च स्तर पर पहुंच गया।

गुजरात गैस के शेयर में भी करीब 12फीसदी की तेजी रही और यह 420 रुपए के स्तर पर कारोबार किया। पेट्रोनेट एलएनजी, गेल इंडिया, इंद्रप्रस्थ गैस और महानगर गैस समेत अन्य गैस कंपनियों के शेयरों में भी 2फीसदी से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। ईरान और इजराइल-अमेरिका गठबंधन के बीच बढ़ते तनाव का सीधा असर भारत के एनर्जी मार्केट पर पड़ रहा है। होर्मुज स्ट्रेट से होने वाले गैस शिपमेंट बाधित हो गए हैं, जिससे सप्लाई पर दबाव बना है। यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे अहम ऊर्जा परिवहन मार्गों में से एक है, लेकिन बढ़ते सुरक्षा जोखिमों के कारण टैंकरों की आवाजाही प्रभावित हुई है। भारत अपनी घरेलू गैस जरूरतों को पूरा करने के लिए आयात पर काफी हद तक निर्भर है। कई वैश्विक सप्लाईकर्ताओं ने इस बाधा के कारण गैस शिपमेंट पर फोर्स मेजर जारी कर दिया है।भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को 1फीसदी से

ज्यादा की गिरावट दर्ज की। तेल की कीमतों में भी उतार-चढ़ाव जारी है। हालांकि, ग्लोबल मार्केट में मजबूती देखी गई। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी द्वारा कच्चे तेल के रिजर्व में बड़े पैमाने पर रिलीज के प्रस्ताव की खबर के बाद एमएससीआई एशिया पैसिफिक इंडेक्स में 1.8फीसदी की बढ़त रही। ब्रेंट क्रूड में बुधवार को करीब 1फीसदी की गिरावट आई, जबकि पिछले सत्र में इसमें 11फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुम्बई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को 11 पैसे की बढ़त के साथ ही 92.07 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस ये 91.96 पर बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे बढ़कर 91.57 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि अमेरिकी डॉलर सूचकांक में नरमी आने और यूरोप के साथ लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापारिक सफलता से मिली राहत के कारण रुपया उच्च स्तर पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.60 पर खुला, फिर कुछ बढ़त हासिल करते हुए 91.57 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की बढ़त दिखाता है।वहीं मंगलवार को रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 22 पैसे बढ़कर 91.68 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

ट्रंप के शुल्क आदेश के रद्द होने पर भारतीय चमड़ा कारोबार में फिर बढ़ी अनिश्चितता

नई दिल्ली । करीब एक माह पहले कारोबार करार पर अमेरिका के साथ भारत के संयुक्त बयान से कोलकाता के चमड़ा उद्योग (लेदर हब) पर दबाव कुछ हद तक कम हुआ था। कारोबारी समझौते के तहत भारतीय उत्पादों के निर्यात पर अमेरिका में शुल्क 50 से कमकर 18 फीसदी करने की बात कही थी। शुल्क घटने से भारतीय चमड़ा उत्पाद दुनिया के बड़े उपभोक्ता बाजार में प्रतिस्पर्धी स्थिति में आए और नए ऑर्डर मिलने की उम्मीद बढ़ी है। मगर अमेरिकी अदालत द्वारा ट्रंप प्रशासन के शुल्क आदेश को रद्द करने के बाद फिर से अनिश्चितता बढ़ी है। पूर्वी कोलकाता के बाहरी इलाके में मौजूद बांतला में क्रिसेंट एक्सपोर्ट सिंडिकेट के कारखाने में इसके संकेत भी दिखाई देने लगे है। उत्पादन लाइन अमेरिकी बाजार के लिए हैंडबैग बनाने में व्यस्त हैं, जिनकी आपूर्ति करीब दो माह में होने वाली है। कुछ तैयार माल पहले से ही कार्टन में पैक हैं और वे अमेरिका भेजने के लिए तैयार हैं। इस बीच पश्चिम एशिया के संकट ने एक नई अनिश्चितता खड़ी की है। पहले से ही मुश्किलों का सामना कर रहे चमड़ा निर्यातकों के लिए अब नई चुनौती आ गई है। क्रिसेंट के कारखाने में ह्यूगो बॉस के वैश्विक बाजारों के लिए हैंडबैग और वॉलेट बनाते हैं। क्रिसेंट एक्सपोर्ट सिंडिकेट से जुड़े अधिकारी ने कहा, अमेरिका जाने वाली खेप रोकी गई थी क्योंकि ऊंचे शुल्क ने यहां से निर्यात को अव्यावहारिक बनाया था। इसलिए कंपनी ने खेपों को यूरोप के गोदामों में भेज दिया, जहां से उन्हें अमेरिका भेजा जा सकता था।' उन्होंने कहा कि अब अमेरिका, कनाडा और अन्य बाजारों से नए ऑर्डर आ रहे हैं। कंपनी से जुड़े अधिकारी ने कहा, 'उत्पादन जारी है और करीब दो माह में तैयार होना चाहिए। इस बीच हें उम्मीद है कि शुल्क पर स्पष्टता होगी।' अदालत द्वारा शुल्क आदेश रद्द करने के बाद व्हाइट हाउस ने 10 फीसदी का अधिभार लगाया और बाद में अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि शुल्क 15 फीसदी होगा। एक अन्य कंपनी के अधिकारी ने कहा, 'इसकी ज्यादा संभावना है कि शुल्क 15 फीसदी होने वाला है। शुल्क से पहले कंपनी का करीब 30 फीसदी कारोबार अमेरिका से आता था। शुल्क पर अंतिम निर्णय का इंतजार है और अमेरिकी खरीदारों के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि हाल तक चीजें ठप थीं मगर अब लोग बात करने के लिए तैयार हैं।

ओला इलेक्ट्रिक का 'चैंपियन महोत्सव............इलेक्ट्रिक स्कूटर और बाइक पर 10 हजार की छूट

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के बाद पूरे देश में जश्न का माहौल है और इस खुशी में कई कंपनियां भी अपने ग्राहकों को शानदार ऑफर दे रही हैं। इसी क्रम में ओला इलेक्ट्रिक ने 'चैंपियन महोत्सव' नाम से एक सीमित अवधि का अभियान शुरू कर दिया है। इस विशेष ऑफर के तहत ग्राहकों को कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटर और बाइक खरीदने पर आकर्षक लाभ मिल रहा है। कंपनी के अनुसार यह ऑफर केवल तीन दिनों के लिए उपलब्ध रहेगा। इस दौरान ग्राहक कंपनी के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर मॉडल्स पर अधिकतम 10,000 रुपये तक का फायदा पा सकते हैं। यह ऑफर पूरे देश में लागू किया गया है और कंपनी की स्कूटर तथा बाइक दोनों रेंज पर उपलब्ध है। कंपनी का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य क्रिकेट में मिली बड़ी जीत का जश्न ग्राहकों के साथ साझा करना और लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित करना है। विशेष ऑफर में कंपनी के कई लोकप्रिय मॉडल शामिल हैं। इसमें ओला एस1 प्रो, ओला एस1प्लस, ओला एस1एक्स, ओला एस1एक्स प्लस और ओला रोड स्टार जैसे मॉडल शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी की जेन3 एस1 स्कूटर रेंज और रोडस्टर इलेक्ट्रिक बाइक सीरीज पर ऑफर लागू किया है। इन मॉडलों को उनके आधुनिक डिजाइन, तकनीक और बेहतर रेंज के कारण ग्राहकों के बीच अच्छी लोकप्रियता मिली है।कंपनी के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स की शुरुआती कीमत करीब 77,999 से शुरू होकर करीब 1.14 लाख तक जाती है। ग्राहकों को इनमें अलग-अलग बैटरी विकल्प भी दिए जाते हैं, जिसमें 2 किलोवॉट प्रतिघंटा , 3 किलोवॉटप्रति घंटा, 4 किलोवॉट प्रतिघंटा और 5.2किलोवॉटप्रतिघंटा क्षमता वाले विकल्प शामिल हैं। इससे ग्राहक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार मॉडल चुन सकते हैं।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1313, निफ्टी 394 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों में छाये संशय के कारण आई हैं। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के साथ ही निवेशको के बाजार से दूर होने से भी बिकवाली हावी हुई हैं। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1313 अंकों की गिरावट के साथ ही अंत में सेंसेक्स 1342.2776,863.71 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी करीब 394.75 अंक फिसलकर 23,866.85 के स्तर पर बंद हुआ। इससे निवेशकों के करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए डूब गये। आज कारोबार के दौरान ही सेंसेक्स में महिन्द्र एंड महिन्द्रा , बजाज फाइनेंस , भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयरों में 2 से 4 फीसदी तक की गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर अडानी पोर्ट और एनटीपीसी व सन फार्मा के शेयरों में हल्की बढ़त दर्त की गयी। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो ऑटो और बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। ऑटो इंडेक्स सबसे ज्यादा करीब 2 फीसदी टूटा। निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स में भी करीब 1.8 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावस फार्मा सेक्टर में हल्की तेजी रही।बाजार जानकारों के अनुसार मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण निवेशक बाजार से दूरी बना रहे हैं जिससे बिकवाली हावी है।

इससे पहले आज सुबह भारतीय बाजार गिरावट के साथ खुले। सुबह सेंसेक्स 78,238 अंक पर खुला। सुबह ये 177.85 अंक फिसलकर 78,028.13 पर था। वहीं इसी तरह निफ्टी भी सुबह 52.20 अंक की गिरावट के साथ 24,209 पर कामकाज करता दिखा। वहीं कच्चे तेल की कीमतें

कम होने से दुनिया भर के बाजार ऊपर आये हैं जिसका लाभ भी भारतीय बाजार को मिला। तेल की कीमतें कम होने से महंगाई बढ़ने और आर्थिक विकास प्रभावित होने की संभावनाएं भी कम हुई हैं।

दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 3.24 फीसदी और जापान का निक्केई 225 1.98 फीसदी की बढ़त के साथ कामकाज कर रहे थे। एशियाई सत्र में अमेरिकी शेयर बाजार में बढ़त रही। एस एंड पी 500 और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसत 0.45 फीसदी और 0.42 फीसदी बढ़त पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी शेयर बाजार के फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। एस एंड पी 500 और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसत के फ्यूचर्स 0.45 फीसदी और 0.42 फीसदी बढ़े। वहीं, इससे पहले रात में अमेरिका के ज्यादातर शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। दिन के अंत में एस एंड पी 500 0.21 फीसदी और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसत 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं ब्रेंट कच्चा तेल 88 डॉलर प्रति बैरल से नीचे कारोबार कर रहा था।

एयर इंडिया घरेलू और कुछ अंतरराष्ट्रीय टिकटों पर ईंधन अधिभार लगाएगा

यह शुल्क 12 मार्च से लागू होगा, समय-समय पर अधिभार की समीक्षा भी होगी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में ताजा संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी से एयर इंडिया ने मंगलवार को अपने घरेलू और कुछ अंतरराष्ट्रीय टिकटों पर ईंधन अधिभार लागू करने का ऐलान कर दिया है। यह शुल्क चरणबद्ध तरीके से 12 मार्च से शुरू होगा। एयरलाइन ने बताया कि एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में इस समय तेज बढ़ोतरी हुई है, जो एयरलाइन संचालन की लागत का करीब 40 फीसदी हिस्सा है।मीडिया रिपोर्ट में एयर इंडिया के मुताबिक मार्च की शुरुआत से एटीएफ की कीमतों में बढ़ोतरी में आपूर्ति में व्यवधान प्रमुख कारण है। इसके अलावा दिल्ली और मुंबई जैसे प्रमुख महानगरों में एटीएफ पर उच्च उत्पाद शुल्क और वैट लागू होने के कारण कुल ऑपरेटिंग लागत में और वृद्धि हो रही है। एयरलाइन ने बताया कि पहले चरण में, 12 मार्च से की जाने वाली नई बुकिंगों पर शुल्क लागू होगा। इसके तहत घरेलू उड़ानों और दक्षिण एशियाई देशों जैसे नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश की उड़ानों पर 399 रुपए का ईंधन अधिभार लगेगा। ये मार्ग पहले किसी भी ईंधन शुल्क के दायरे में नहीं थे। रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व की उड़ानों पर अब 10 डॉलर का नया ईंधन शुल्क लागू होगा। इन मार्गों पर पहले कोई अधिभार नहीं लगता था। दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए यह शुल्क 40 डॉलर से बढ़ाकर 60 डॉलर किया जाएगा, जबकि अफ्रीका की उड़ानों पर 60 डॉलर से बढ़ाकर 90 डॉलर का अधिभार लगेगा। एयरलाइन ने कहा कि दूसरे चरण में जो 18 मार्च से शुरू होगा, लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर ईंधन अधिभार बढ़ाया जाएगा। यूरोप के लिए शुल्क 100 डॉलर से बढ़ाकर 125 डॉलर किया जाएगा। वहीं, उत्तर अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की उड़ानों के लिए 150 से बढ़ाकर 200 डॉलर का ईंधन अधिभार लागू होगा। एयरलाइन ने बताया कि हांगकांग, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे फार ईस्ट मार्केट्स को कवर करने वाली तीसरी चरण की जानकारी बाद में दी जाएगी।एयर इंडिया ने साफ किया है कि जो टिकट संबंधित तारीखों से पहले जारी किए गए हैं, उन पर संशोधित अधिभार लागू नहीं होगा। हालांकि यदि यात्री अपनी यात्रा की तारीख या यात्रा योजना में बदलाव करते हैं और इसके कारण किराया पुनर्गणना होती है, तो नए अधिभार लागू होंगे।

ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयरों में तेजी, केडिया ने लगा रखा है बड़ा दांव

कंपनी के शेयर बीएसई में 9 फीसदी से ज्यादा उछाल के साथ 90.27 रुपए पर पहुंचे

नई दिल्ली।

ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयरों में बुधवार को तेजी रही। ओम इंफ्रा के शेयर बुधवार को बीएसई में 9 फीसदी से ज्यादा उछाल के साथ 90.27 रुपए पर पहुंचे। घरेलू शेयर बाजार में भूचाल के बीच ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयरों में यह तेजी देखने को मिली। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक सेंसेक्स बुधवार को इंट्राडे के दौरान 1000 अंक से ज्यादा टूटा। दिग्गज निवेशक विजय केडिया का ओम इंफ्रा लिमिटेड पर बड़ा दांव है। पिछले पांच साल में ओम इंफ्रा के शेयरों में 260 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है।

विजय केडिया ने ओम इंफ्रा लिमिटेड पर बड़ा दांव लगा रखा है। केडिया के पास ओम इंफ्रा लिमिटेड के 2400000 शेयर हैं। सिविल कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री से जुड़ी इस कंपनी में केडिया की हिस्सेदारी 2.49 फीसदी है। केडिया ने क्वांट म्यूचुअल फंड का भी ओम इंफ्रा लिमिटेड पर दांव है। क्वांट म्यूचुअल फंड के पास ओम इंफ्रा लिमिटेड के 39,12,619 शेयर हैं। ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयर पिछले पांच साल में 260 फीसदी से ज्यादा उछल गए हैं। सिविल कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री से जुड़ी इस कंपनी के शेयर 12 मार्च 2021 को 24.65 रुपए पर थे। ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयर 11 मार्च 2026 को 90.27 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

पिछले 4 साल में कंपनी के शेयरों में 125 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। तीन साल में ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयर 145 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 146.50 रुपए है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 71.72 रुपए है। ओम इंफ्रा लिमिटेड का मार्केट कैप बुधवार को 851 करोड़ रुपए के पार हो गया।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की वायदा कीमतों में कमी आई है। घरेलू बाजार में सोना 1,62,850 रुपये , जबकि चांदी 2,76,350 रुपये के करीब है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में भी कमी आई है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध 1,54 रुपये की फिसलकर 1,63,149 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,63,303 रुपये पर रहा था। ये 1,63,849 रुपये के उच्च और 1,62,840 रुपये के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध आज 862 रुपये टूटकर 2,76,988 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,77,850 रुपये रहा था। एक समय यह अनुबंध 1,504 रुपये नीचे आकर 2,76,346 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 2,76,999 रुपये के उच्च और 2,75,930 रुपये के निचले स्तर पर पहुंचा। चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में कमी आई। कॉमेक्स पर सोना 5,194 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 5,242.10 डॉलर प्रति औंस था।

अब 2027 एकदिवसीय विश्वकप पर लगी गंभीर की नजरें

–आईपीएल के बाद शुरु होंगी तैयारियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं। टी20 विश्वकप जीतने के बाद अब गंभीर की नजरें अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप पर लगी हैं। इसको जीतने के लिए गंभीर ने योजना बनाना भी शुरु कर दिया है। गंभीर एक ऐसे कोच माने जाते हैं जो भविष्य को देखते हुए योजनाएं बनाते हैं। उनका कहना है कि आईपीएल 2026 के अंत तक एकदिवसीय विश्व कप 2027 के लिए कार्य योजना तैयार हो जाएगी। गंभीर ने कहा कि टीम प्रबंधन कुछ दिन के आराम के बाद फिर से अगले आईसीसी टूर्नामेंट के लिए योजना पर अमल करना शुरु करेगा।

गौरतलब है कि एकदिवसीय विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे में खेला जाएगा। गंभीर जानते हैं कि वहां की तेज और उछाल भरी पिचों पर खेलना आसान नहीं होता है। इसी को देखते हुए गंभीर ने कहा कि आईपीएल 2026 के तत्काल बाद टीम इस टूर्नामेंट की तैयारी शुरू हो जाएगी। वहीं मई के अंत तक खिलाड़ियों का चयन हो जाएगा। भारतीय टीम को उसके पहले 25 से 30 एकदिवसीय खेलने हैं जिसमें उसे अभ्यास का पर्याप्त अवसर मिल जाएगा। गंभीर ने कहा, 2027 विश्व कप की योजना आईपीएल के बाद शुरू होगी। आईपीएल 2026 और विश्व कप के बीच लगभग 25 से 30 वनडे मैच होने हैं। आजकल एकदिवसीय प्रारुप बहुत ज्यादा नहीं खेला जाता है। हम जितनी जल्दी इसकी योजना बनाना शुरू करेंगे, हमारे लिए उतना ही अच्छा होगा।

कोच ने आगे कहा, हमें मालूम है कि दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट खेलने के लिए आसान जगह नहीं है। हमें वहाँ के हालातों के हिसाब से सही संयोजन तलाशने होंगे और उन खिलाड़ियों की पहचान करनी होगी जो उन हालातों में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। यह काम चयनकर्ता और कोचिंग स्टाफ करेंगे।'

ट्रंप विश्व कप 2026 में ईरानी टीम का स्वागत करेंगे : FIFA चीफ जियानी इन्फेंटिनो

नई दिल्ली (एजेंसी)। FIFA चीफ जियानी इन्फेंटिनो ने बुधवार को कहा कि वह अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप से मिले जिन्होंने उन्हें भरोसा दिलाया कि ईरान का 2026 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के लिए 'स्वागत' है जिसे 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा मिलकर होस्ट करेंगे।

ईरान को अमेरिका में तीन मैच खेलने हैं लेकिन बढ़ते क्षेत्रीय युद्ध के बीच उनके हिस्सा लेने पर शक है। ईरान, जो ग्रुप ल में बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड के साथ है, 15 जून को सिएटल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट की शुरुआत करेगा और आगे के ग्रुप गेम लॉस एंजिल्स और अटलांटा में होंगे।

एक इंस्टाग्राम पोस्ट में इन्फेंटिनो ने कहा कि उन्होंने और ट्रंप ने आने वाले FIFA वर्ल्ड कप की तैयारियों के स्टेटस पर चर्चा की और ईरान के मौजूदा हालात के बारे में भी बात की। इन्फेंटिनो ने एक पोस्ट में लिखा, 'मैं आने वाले FIFA वर्ल्ड कप की तैयारियों के स्टेटस और 93 दिनों में शुरू होने वाले बढ़ते उत्साह पर चर्चा करने के लिए यूनाइटेड स्टेट्स के प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रंप से मिला।'

उन्होंने आगे कहा, 'हमने ईरान के मौजूदा हालात और इस बात पर भी बात की कि ईरानी टीम ने FIFA वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने के लिए क्वालिफाई कर लिया है। बातचीत के दौरान प्रेसिडेंट ट्रंप ने दोहराया कि ईरानी टीम का बेशक यूनाइटेड स्टेट्स में टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए स्वागत है।' ईरान ने पिछले साल एशियन क्वालिफाइंग के तीसरे राउंड में ग्रुप A में टॉप करके लगातार चौथे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया था।

पिछले हफ्ते पोलिटिको के साथ एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'मुझे सच में कोई फ़र्क नहीं पड़ता, अगर ईरान हिस्सा लेता है,' और कहा कि 'मुझे लगता है कि ईरान बहुत बुरी तरह से हारा हुआ देश है। वे बेकार में जी रहे हैं।' मिलिट्री एक्शन शुरू होने के बाद ईरान फुटबॉल फेडरेशन के प्रेसिडेंट मेहदी ताज ने कथित तौर पर कहा है कि यह तो तय है कि इन हमलों के बाद वर्ल्ड कप की तरफ उम्मीद से देखना मुश्किल है।'

गुजरात टाइटन्स ने पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज को बनाया असिस्टेंट कोच

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटन्स ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 सीजन से पहले भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को असिस्टेंट कोच बनाने की आज घोषणा की, जिससे फ्रेंचाइजी का कोचिंग सेटअप और मजबूत होगा। भारतीय क्रिकेट में एक सम्मानित व्यक्ति, दहिया ने 19 वनडे और दो टेस्ट में देश का प्रतिनिधित्व किया और कोचिंग में आने से पहले दिल्ली के साथ एक सफल घरेलू करियर का आनंद लिया।

बाद में उन्होंने 2007-08 सीजन में दिल्ली को रणजी ट्रॉफी खिताब दिलाया और तब से घरेलू और आईपीएल टीमों में एक मजबूत कोचिंग पोर्टफोलियो बनाया है। उनकी नियुक्ति हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को बैटिंग कोच के रूप में शामिल करने के बाद हुई है, जिससे आने वाले आईपीएल सीजन से पहले टाइटन्स के कोचिंग ग्रुप को और मजबूती मिली है।

2022 में डेब्यू करने के बाद से गुजरात टाइटन्स आईपीएल की सबसे लगातार अच्छा खेलने वाली टीमों में से एक बनकर उभरी है। वे अपने पहले चार सीजन में से तीन में प्लेऑफ़ में पहुँची हैं और अपने पहले सीजन में ही टाइटल जीता है। एक मजबूत कोचिंग स्ट्रक्चर के साथ, पूर्व चैंपियन अपने मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड को और बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे क्योंकि आईपीएल 2026 की तैयारियाँ ज़ोर पकड़ रही हैं।

सैमसन के नाम दर्ज हुआ अनौखा रिकार्ड

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार अपनी बेहतरीन प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन छाये रहे। सैमसन ने इस टूर्नामेंट में लगातार तीन अर्धशतक सहित कई रिकार्ड बनाये। इसके अलावा उन्होंने एक अनोखा रिकार्ड भी बनाया। सैमसन पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने आईसीसी पुरुष या महिला वर्ग के किसी टूर्नामेंट में अपनी टीम की तरफ से चार मैचों में बाहर रहने के बाद भी 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार प्राप्त

सैमसन से पहले केवल चार खिलाड़ी ही ऐसे थे जिन्होंने अपनी टीम के सभी मैच नहीं खेलने के बावजूद टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता था पर इन सभी खिलाड़ियों ने केवल एक मैच नहीं खेला था। वहीं सैमसन शुरुआत के चार मैचों से बाहर रहे थे। वह टूर्नामेंट की शुरुआत में सैमसन रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे और इसलिए उन्हें शुरुआती मैचों में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के फिट नहीं होने के कारण उन्हें एक मैच खेलने का अवसर मिला जिसमें बेहतर प्रदर्शन कर वह टीम में जम गये।

सुपर-8 में शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाज होने के कारण टीम संयोजन को बेहतर बनाने दाएं हाथ के बल्लेबाज होने के कारण सैमसन को जगह मिली जिसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया। सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम सुपर-8 मैच में नाबाद 97 रन बनाए, इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 और फिर न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भी 89 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके लिए उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड दिया गया। भारत ने इस टूर्नामेंट में कुल नौ मैच खेले, जिनमें से सैमसन पांच मैच ही खेल पाए थे। वहीं आईसीसी के पुरुष या महिला वर्ग के टूर्नामेंट में इससे पहले 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बनने वाले किसी खिलाड़ी ने या तो अपनी टीम के सभी मैच खेले थे या फिर वे केवल एक मैच से बाहर रहे थे।

हरभजन ने कीर्ती आजाद को दिया करारा जवाव, खेल को राजनीति में न घसीटें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने विश्वकप ट्रॉफी को धार्मिक विवाद में घसीटने के लिए टीएमसी सांसद कीर्ती आजाद की कड़ी आलोचना की है। पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने भारतीय टीम की विश्वकप जीत के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव, कोच गौतम गंभीर और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के स्टेडियम के पास में बने हनुमान मंदिर में ट्रॉफी लेकर जाने पर सवाल उठाये थे। पूर्व क्रिकेटर रहे आजाद ने कहा था कि ट्रॉफी को किसी धर्म या समुदाय से नहीं जोड़ा जाना चाहिये, उसे अन्य धर्मस्थलों पर क्यों लेकर नहीं गये। इसी को लेकर हरभजन ने कहा कि इस प्रकार की विवादास्पद बातों की उन्हें आजाद जैसे पूर्व क्रिकेटर से उम्मीद नहीं थी। साथ कहा कि वे खेल को राजनीति में घसीटने का प्रयास न करें। हरभजन ने कहा, यह अजीब है कि आजाद इस प्रकार की राजनीति कर रहे हैं, जो समझ से परे है। भारतीय टीम ट्रॉफी को मंदिर, मस्जिद, चर्च, जहां चाहे ले जा सकती है। अगर उन्होंने अपने भगवान से कुछ मांगा है और उनकी इच्छा पूरी होने के बाद उन्होंने अपने विश्वास पर दोबारा सोचा है, तो इसमें क्या दिक्कत है? हरभजन ने कहा है कि उन्हें खुश होना चाहिए कि भारत ने विश्व कप जीता है।

उन्होंने कहा, साथी क्रिकेटरों से ये बातें सुनना बुरा लगता है। इससे लगता है कि आजाद शायद खेल से ज्यादा राजनीति को पसंद कर रहे हैं। यह और भी बुरा है कि वह एक खिलाड़ी होते हुए इस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं। देश ने विश्व कप जीता है। खुश रहो, जश्न मनाओ पर तुम राजनीति करने में व्यस्त हो।

आईसीसी रैंकिंग में भारत की मंधाना नंबर एक पर बरकरार

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना शीर्ष पर बनी हुई है। मंधाना हाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपने शानदार प्रदर्शन से नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। वही भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर आठवें स्थान पर हैं पर जेमीमा रोड्रिग्स एक स्थान नीचे आकर 12वें स्थान पर फिसल गयी हैं। हाल में जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के कारण न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर गेंदबाजी रैंकिंग में पांच स्थान के लाभ के साथ ही 11वें स्थान पर आ गयी हैं जबकि ऑलराउंडर की सूची में भी एक स्थान के लाभ के साथ ही पांचवें नंबर पर आ गयी है। न्यूजीलैंड की ही बल्लेबाज ब्रुक हैलीडे आठ स्थान के लाभ के साथ ही 11वें स्थान पर और मैडी ग्रीन चार स्थान के लाभ के साथ ही 22वें स्थान पर आ गयी हैं। हैलीडे ने सीरीज के पहले मैच में शतक लगाया जबकि ग्रीन ने अर्धशतक।

द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स की कप्तानी करेंगे जैकब बेथेल

लंदन। टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल को द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स ने अपना कप्तान बनाया है। बेथेल को आगामी सत्र के लिए होने वाली नीलामी ही लियम लिविंगस्टोन की जगह कप्तान बनाया गया है। वही लिविंगस्टोन इस बार लंदन स्पिरिट से खेलते नजर आयेंगे। कप्तानी मिलने से उत्साहित बेथेल ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है।

उन्होंने कहा, बर्मिंघम फीनिक्स का कप्तान बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करने के कारण उन्हें अंदाज है कि ये जिम्मेदारी कितनी बड़ी होती है। इसमें हमें और टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेना होता है। हाल बेथेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लिस्ट ए, फर्स्ट क्लास और टी20 तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में खिलाफ उन्होंने में शानदार शतक लगाकर अपनी क्षमता साबित की थी। बर्मिंघम फीनिक्स के मुख्य कोच शेन बॉन्ड ने बेथेल की कप्तानी कौशल को सराहा है। उन्होंने कहा कि बेथेल बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और कम उम्र में ही उनकी नेतृत्व सामने आई है। बॉन्ड के मुताबिक, पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करते समय हमने उनकी कप्तानी देखी है। बेथेल ने साल 2022 में वेल्श फायर के लिए द हंड्रेड में डेब्यू किया था। इसके बाद 2023 में उन्हें बर्मिंघम फीनिक्स ने टीम में शामिल किया, लेकिन उस सीजन में वह केवल एक ही मैच खेल पाये थे। साल 2024 के सत्र में उन्होंने 9 मैचों में 166 रन बनाए, जहां उनका औसत 33.20 और स्ट्राइक रेट 132.80 रहा। पिछले सत्र में उन्होंने 8 पारियों में 122 रन बनाए। वहीं गेंदबाजी में उन्होंने 3 विकेट लिए, हालांकि उनका इकॉनमी रेट 10 से ज्यादा रहा।वहीं फीनिक्स ने ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी को लगातार दूसरे सत्र के लिए बर्मिंघम फीनिक्स की महिला टीम का कप्तान बनाया है।

इंडियन वेल्स : रोमांचक जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जानिक सिनर

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने उभरते ब्राजीलियाई स्टार जोआओ फोन्सेका की कड़ी चुनौती पर काबू पाते हुए रोमांचक मुकाबले में 7-6(6), 7-6(4) से जीत के साथ बीएनपी परीबा ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दो युवा प्रतिभाओं के बीच बहुप्रतीक्षित पहली मुलाकात इंडियन वेल्स टेनिस गार्डन में खचाखच भरी भीड़ के सामने उम्मीदों पर खरी उतरी, जिसमें सिनर ने महत्वपूर्ण क्षणों में जीत हासिल कर टूर्नामेंट में अपनी तीसरी क्वार्टरफाइनल उपस्थिति सुनिश्चित की।

सिनर ने शुरुआती सेट के टाई-ब्रेक में तीन सेट प्वाइंट बचाए और बाद में दूसरे सेट में 5-2 पर मैच बंद करने में नाकाम रहने के बाद वापसी की और एक और टाई-ब्रेक में जोरदार समापन करके जीत हासिल की। सिनर ने मैच के बाद कहा, 'जोआओ एक अविश्वसनीय खिलाड़ी है, अविश्वसनीय प्रतिभा है, दोनों तरफ से बहुत शक्तिशाली है। वह बहुत अच्छी सर्विस कर रहा था। मुझे लगा कि जितना संभव हो उतना आक्रामक होने की कोशिश करना महत्वपूर्ण है। दूसरे सेट के अंत में मैंने थोड़ी तीव्रता कम कर दी लेकिन उसने वहां अविश्वसनीय टेनिस खेला। माहौल अद्भुत रहा है, इसलिए मैं आज के मैच से बहुत खुश हूं।'

इस जीत के साथ सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर अपनी 97वीं जीत दर्ज की, और श्रृंखला में किसी इतालवी द्वारा सबसे अधिक जीत के मामले में फैबियो फोगनिनी को पीछे छोड़ दिया। 24 वर्षीय खिलाड़ी अब 2024 की शुरुआत से खेले गए 12 एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में से 11 में क्वार्टर फाइनल चरण में पहुंच गए हैं। शुरुआती सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच ज्यादा अंतर नहीं दिखा और टाईब्रेक में फोन्सेका के 5-2 से आगे होने से पहले दोनों ने अपनी सर्विस बरकरार रखी। हालांकि, सिनर ने लगातार 5 अंकों के साथ जवाब दिया, जिसमें 6-6 पर रिटर्न विनर भी शामिल था, सेट छीनने के लिए।

जब सिनर दूसरे सेट में 5-2 से आगे हो गए तो ऐसा लग रहा था कि वह आसानी से मैच खत्म कर देंगे, लेकिन 19 वर्षीय ब्राजीलियाई ने जोरदार वापसी की, इटालियन की सर्विस तोड़ दी और मजबूत अंकों के साथ एक और टाई-ब्रेक को मजबूर कर दिया, जिससे ब्राजीलियाई समर्थक स्टैंड में खड़े हो गए। हालांकि, इटालियन ने एक बार फिर अपना हौसला बनाए रखा, टाई-ब्रेक के अंतिम चार अंक जीते और फोरहैंड रिटर्न विनर के साथ जीत पक्की की। क्वार्टर फाइनल में सिनर का अगला मुकाबला अमेरिकी लर्नर टीएन से होगा, क्योंकि 20 वर्षीय खिलाड़ी ने दिन की शुरुआत में एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को हराने के लिए दो मैच प्वाइंट बचाए थे।

वेस्टइंडीज दौरे में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी करेंगी मोलिन्यू

सिडनी। सोफी मोलिन्यू की कप्तानी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम 19 मार्च से 2 अप्रैल तक होने वाले वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैचों की इस सीरीज के लिए सोफी को एलीसा हीली के संन्यास लेने के कारण कप्तान बनाया है। सोफी भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान लगी पीठ की चोट के कारण टीम से बाहर हो गयी थीं। वहीं ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को इस सीरीज में आराम दिया गया है। उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज में अच्छे शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड मिला था। सदरलैंड ने भारत के खिलाफ दिन-रात के मैच में शतक लगाया था और छह विकेट भी लिए थे। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने पिछले एक साल से लगातार क्रिकेट खेलने के कारण उन्हें आराम दिया गया है जिससे वह विश्वकप से पहले पूरी तरह फिट रह सकें। उन्होंने कहा, एनाबेल पिछले एक साल से लगातार खेल रही हैं। उनके ऊपर बोझ को ध्यान में रखते हुए उन्हें आराम दिया गया है, जिससे वह विश्वकप से पहले पूरी तरह तैयार रहें। चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा कि मोलिन्यू आगामी महिला टी20 विश्व कप 2026 को देखते हुए सभी मैच खेलने का प्रयास करेंगी। वह हालांकि एकदिवसीय सीरीज के कुछ मुकाबले नहीं खेलहैं, क्योंकि फिलहाल टीम का पूरा ध्यान टी20 मुकाबलों पर है। अगर सोफी कुछ मैच नहीं खेल पाती हैं तो एश्ले गार्डनर और टालिया मैक्ग्रा को संयुक्त उपकप्तान बनाया गया है। इस टीम से सिर्फ एक खिलाड़ी को बाहर किया गया है और वह हैं ग्रेस हैरिस। चयनकर्ताओं ने हालांकि कहा कि उनके लिए टीम के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं और वह टी20 विश्व कप की दौड़ में अभी भी शामिल हैं चयनकर्ताओं ने विकेटकीपर बल्लेबाज टालिया विल्सन को भी बेथ मूनी की जगह पर के रूप में टीम में शामिली कियाया है। बेथ मूनी 21 मार्च को डब्लूयसीएनएल फाइनल खेलने के बाद टीम से जुड़ेंगी। वहीं टी20 सीरीज 19 मार्च से शुरू हो रही है। उम्मीद है कि मूनी तीसरे और अंतिम टी20 मैच में खेल सकती हैं।

इंडियन वेल्स : ओसाका को हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंची सबालेंका

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने नाओमी ओसाका को हराकर इंडियन वेल्स के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। 27 साल की बेलारुस की सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की ओसाका को 80 मिनट चले मुकाबले में 6-2, 6-4 से हरा कर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। जुलाई 2023 में बेटी शाई के जन्म के बाद 14 महीनों के बाद वापसी कर रही ओसाका ने मैच की शुरुआत एक कॉन्फिडेंट ओपनिंग सर्विस गेम से की। हालांकि, सबालेंका ने जल्द ही अपनी रिदम पकड़ ली और 28 साल की जापानी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 2-1 की बढ़त बना ली। बेलारूसी खिलाड़ी ने कई दमदार बैकहैंड मारकर अपनी पकड़ मजबूत की और 5-2 की बढ़त बना ली, फिर एक ऐस के साथ आराम से सेट जीत लिया। ओसाका और सबालेंका दोनों ने दूसरे सेट की शुरुआत में सर्विस बनाए रखी, फिर सबालेंका ने 4-2 से कंट्रोल हासिल किया और फिर एक अहम ब्रेक के साथ मैच जीत लिया। मैच के बाद सबालेंका ने कहा, 'यह पागलपन है, इतने सालों में हमने सिर्फ एक बार खेला। मुझे पूरा यकीन है कि हम और भी कई मैच खेलेंगे। वह शानदार टेनिस खेलकर वापस आ रही है। मैं नतीसे से बहुत खुश हूं। पिछली बार से बहुत बेहतर। मुझे खुशी है कि मैंने आज उन पर इतना प्रेशर डाला, कि मैं कोर्ट में वैरायटी लेकर आई। मेरी सर्विस ने अच्छा काम किया। रिटर्न पर मैंने सच में बहुत अच्छा टेनिस खेला। मैं अपने परफॉर्मेंस से पक्का खुश हूं।' दूसरी तरफ, ऑस्ट्रेलिया की टालिया गिब्सन ने इटली की दुनिया की नंबर सात जैस्मीन पाओलिनी को 7-5, 2-6, 6-1 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की, यह उनका टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ पहला मैच था। 21 साल की गिब्सन, जो दुनिया में 112वें नंबर पर हैं और अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 मेन ड्रॉ खेल रही हैं, 11 साल में टूर्नामेंट के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर भी बनीं।

नेमार ने वर्ल्ड कप में खेलने को लेकर आशंका के बीच निकाला गुस्सा, कहा- करीबी लोगों ने किया निराश

रियो डी जेनेरियो (एजेंसी)। नेमार ने मिरासोल के साथ सैंटोस के अवे मैच के लिए टीम से बाहर किए जाने पर गुस्सा जताया, जिससे इस साल के फीफा वर्ल्ड कप से पहले उनकी फिटनेस पर नए शक पैदा हो गए हैं। 34 साल के इस खिलाड़ी के मंगलवार रात के सीरी ए मैच में चोट के कारण बाहर रहने के बाद वापसी की उम्मीद थी।

ब्राजीलियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (CBF) ने पहले कहा था कि नेशनल टीम के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी इस महीने के आखिर में फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ वर्ल्ड कप वार्म-अप मैचों के लिए अपनी टीम का नाम बताने से पहले नेमार का हालचाल जानने के लिए मैच में आएंगे। लेकिन इस फैसले से यह चिंता बढ़ गई कि क्या बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व स्टार जून और जुलाई में होने वाले फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट के लिए तैयार होंगे।

नेमार ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा, 'क्योंकि बहुत से लोग मेरे साथ जो हो रहा है, उसके बारे में थ्योरी बना रहे हैं, कुछ नहीं हो रहा है। अगर मैं चोटिल होकर खेलता हूं, जैसा कि उन्होंने पिछले साल कहा था, तो मैं गलत हूं। अगर मैं सिर्फ अपने बारे में सोचता हूं, तो मैं गलत हूं। अगर मैं खुद को रोकता हूं, तो मैं गलत हूँ। अगर मैं दर्द के साथ खेलता हूं या ऐसी किसी चीज के साथ जो इसे और खराब कर सकती है, तो मैं गलत हूं। यह मुश्किल है, है ना? इसे सही करना बहुत मुश्किल है, यार। बहुत मुश्किल, सबको खुश करना बहुत मुश्किल है।'

नेमार, जो 128 गेम में 79 गोल के साथ ब्राजील के ऑल-टाइम लीडिंग स्कोरर हैं, ने कहा कि उन्हें अपने करीबी लोगों ने निराश किया है, लेकिन उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा हैरानी उन लोगों से होती है, असल में, यह मुझे हैरान नहीं करता, जो हर दिन मेरे साथ रहते हैं और कहानियां बनाना शुरू कर देते हैं, यह-वह कहते हैं जैसे कि यह बिल्कुल सच हो, जैसे कि वे ही सब कुछ जानते हों। मेरे लिए यह बहुत मुश्किल है, हे भगवान। आप सभी को झेलने के लिए मुझे बहुत सब्र रखना होगा।'

दिसंबर में अपने बाएं घुटने की आर्थोस्कोपिक सर्जरी के बाद नेमार इस साल सैंटोस के लिए सिर्फ तीन मैच खेले हैं। अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालिफायर में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट फटने के बाद से वह ब्राजील के लिए नहीं खेले हैं, इस चोट की वजह से वह एक साल से ज़्यादा समय तक बाहर रहे। एंसेलोटी ने कहा है कि वह अपनी वर्ल्ड कप टीम चुनते समय सिर्फ उन खिलाड़ियों पर विचार करेंगे जो अपने क्लब के लिए रेगुलर खेल रहे हैं।

मसूरी के ऐतिहासिक सेवॉय होटल में शादी के बंधन में बंधेंगे कुलदीप और वंशिका

मसूरी । भारतीय क्रिकेट टीम के चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव की शादी 14 मार्च को मसूरी के ऐतिहासिक सेवॉय होटल में होने वाली है। ये वही होटल है जिसमें कभी भारतीयों का प्रवेश भी वर्जित था। कुलदीप ब्रिटिश दौर में बने इस प्रतिष्ठित होटल में अपनी बचपन की दोस्त वंशिका के साथ शादी के बंधन में बंधेंगे। होटल कर्मचार भी स्टार खिलाड़ी की शादी के कार्यक्रम को लेकर उत्साहित हैं। इस होटल का इतिहास बेहद दिलचस्प रहा है। अब यही जगह एक भारतीय खिलाड़ी की शादी की मेजबानी करने जा रही है। साल 1902 में शुरू हुआ सेवॉय होटल मसूरी की पहचान माना जाता है। ब्रिटिश काल में यह होटल अंग्रेज अधिकारियों और यूरोपीय मेहमानों के लिए बनाया गया था। अंग्रेजों ने गर्मियों में मसूरी की खूबसूरत वादियों का आनंद उठाने के लिए इस होटल का निर्माण कराया था। उस समय भारतीयों को यहां ठहरने की अनुमति नहीं थी, लेकिन धीरे-धीरे यह होटल सभी के लिए खुला और समय के साथ देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित लोगों की मेजबानी करता रहा। गौरतलब है कि सेवॉय होटल अपनी भव्य वास्तुकला, पुराने ब्रिटिश दौर की झलक और ऐतिहासिक महत्व के कारण आज भी विशेष माना जाता है। अब इसी ऐतिहासिक होटल में कुलदीप यादव का विवाह समारोह आयोजित होने जा रहा है, जिसे लेकर मसूरी में बेहद उत्साह का माहौल है।

स्वस्थ बालों के लिए उपाय

बाल किसी के भी व्यक्तित्व का अहम हिस्सा होते हैं। बालों को लेकर आए दिन कोई न कोई समस्या और उलझन भी होती ही रहती है। शायद आप भी बालों की किसी समस्या से परेशान हों। तो क्यों न आजमाएं हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब के उपयोगी टिप्स।

दोमुंहे बालों के लिए

दोमुंहे बालों को ठीक करने के लिए विभिन्न कंडीशनिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। लेकिन दोमुंहे बालों से निजात पाने का सबसे बेहतर उपाय है ट्रिमिंग कराना। अगर आप कुछ देर के लिए अपने दोमुंहे बालों को छिपाना चाहती हैं तो स्टाइलिंग क्रीम या थोडी सी पेट्रोलियम जेली हाथों में लेकर बालों के सिरों पर लगाएं।

बालों की चमक बढाएं

गलत तरीके से की गई मसाज, कठोर शैंपू का इस्तेमाल और गलत आहार इन सभी के कारण बाल बेजान हो जाते हैं। बालों को मुलायम और चमकदार बनाने के लिए ग्लॉसी सीरम लगाएं फिर बडे, फैले हुए और साफ-सुथरे मेकअप ब्रश को बालों पर फिराएं। घुंघराले बालों के लिए उन्हें संवारने से पहले लीव इन कंडीशनर लगाएं, ताकि वे चमकदार और हलके नजर आएं।

बालों को मजबूत बनाएं

हफ्ते में एक बार क्लेरिफाइंग शैंपू का इस्तेमाल करें। इसे पहले सूखे बालों पर लगाएं, फिर पानी से धोएं।

दूर करें बालों की अतिरिक्त तैलीयता ज्यादा मेडिसन, तनाव, गलत आहार और हार्मोनल असंतुलन से तैलीय ग्रंथियों का संतुलन बिगड जाता है। इसलिए बालों की अतिरिक्त तैलीयता को दूर करने के लिए किसी मृदु शैंपू से रोजाना बालों को साफ करें। फिर बालों के सिरों पर कोई लाइट कंडीशनर लगाएं। अगर आपके पास रोजाना बाल धोने का समय न हो तो सिर की त्वचा पर बेबी पाउडर लगाएं। यह सिर की त्वचा का अतिरिक्त तेल सोखने में मदद करेगा।

जानिए खूबसूरती पाने के छिपे रहस्यों को

खूबसूरती पाने के लिए आप काफी मेहनत करती हैं। कभी ये तो कभी वो परंतु फिर भी आपको वह खूबसूरती नहीं मिल पाती जिसकी आप हकदार हैं। तो आइए हम बताते हैं प्रकृति के कुछ ऐसे रहस्यों को जिन्हें जान कर आप भी मनचाही खूबसूरती पा सकती हैं।

- ग्लिसरीन , नींबू और गुलाब जल प्रत्येक चौथाई चम्मच, एक घिसा हुआ बादाम और दूध की मलाई एक चम्मच। सबको मिलाकर रात को सोते समय हाथों पर मलें इससे हाथ मुलायम होंगे और रंग निखरजाएगा।
- नींबू, शहद, बेसन और तिल के तेल का उबटन करने से त्वचा में प्राकृतिक निखार आकर सौंदर्य बढ़ता है।
- संतरे के छिलकों का रस गुलाब जल में मिलाकर चेहरे पर मलने से चेहरे का रंग निखरता है।
- गाजर, टमाटर, संतरा और चुकंदर का रस 25 ग्राम नित्य दो माह तक पीने से चेहरे की छाया, दाग, मुंहासे दूर होकर चेहरा सुंदर और साफ हो जाता है।
- लम्बे समय तक नित्य पपीता खाने से कमर का सौंदर्य बढ़ता है। नाखूनों पर अनार के दानों का रस मलने से उनका सौंदर्य खिल उठता है।
- आधा कप दही में एक नींबू निचोड़ कर मिला लें। इसे बालों पर 20 मिनट रहने दें। फिर सिर धोएं। इससे बाल मुलायम एवं काले होंगे।
- यदि पेट, तोंद बढ़ गई हो तो नित्य सरसों के तेल की मालिश करें और 'उठ-बैठ' वाली कसरत करें।
- कच्चे दूध में पिसी हुई हल्दी मिलाकर मलने से त्वचा मुलायम हो जाती है।
- टमाटर और नींबू का रस तथा दूध समान मात्रा में मिलाकर त्वचा पर लगाएं। लगाने के 15 मिनट बाद स्नान करें। त्वचा का सौंदर्य बढ़ेगा।
- एक कप दही में एक पूरे नींबू का रस मिलाकर अच्छी तरह फेटें। इसे सिर के बाल, चेहरे, हाथ आदि पर मलें। तकरीबन 15 मिनट उपरांत स्नान करें। इससे सौंदर्य बढ़ेगा।
- कोहनी की त्वचा प्रायः सख्त एवं काली पड़ जाती है। इस पर नींबू का रस मलें। 15 मिनट उपरांत धो लें। कोहनियां सुंदर हो जाएंगी।
- उबले आलू का गूदा अंगुलियों पर तथा हाथों पर मलें। दस मिनट उपरांत स्वच्छ पानी से धो लें। अंगुलियों और हाथों का रंग निखर उठेगा।

पंजाबी कढ़ी

सामग्री: मसाले के लिए: 1 टीस्पून राई, आधा टीस्पून मेथी, डेढ़ टीस्पून कलौंजी , 1 टीस्पून साबुत धनिया, आधा टीस्पून जीरा। सभी मसालों को सेंक कर पीस लें।

पकौड़े के लिए: 250 ग्राम बेसन, 1-1 कटा प्याज और आलू, कटी हुई मेथी और पालक, 1 टीस्पून मसाला, नमक स्वादानुसार और तलने के लिए तेल।

कढ़ी के लिए: 1 किलो खट्टा दही, 1 कप बेसन, 1 लीटर पानी, दो कटे प्याज, 6 लहसुन की कली, 1 इंच अदरक का टुकड़ा, 2 टीस्पून नमक और 3 टेबलस्पून तेल।

विधि: बेसन, पानी और नमक को अच्छी तरह फेंटें। दही को फेंटकर उसमें मिला लें. अदरक और लहसुन का पेस्ट बनाएं। कढ़ाई में तेल गर्म करें और पेस्ट को भूनें। अब कटे प्याज डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें. फिर पाउडर किया हुआ मसाला डालें। अब दही-बेसन का मिश्रण डाल दें। नमक डालें। उबाल आने तक चलाते रहें। धीमी आंच पर 10-15 मिनट तक पकाएं। पकौड़ों की सभी सामग्रियां मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें। तेल गर्म करें और पकौड़े तल लें। अब इन पकौड़ों को उबलती हुई कढ़ी में मिलाएं और थोड़ी देर पकाएं। कटी हरी धनिया से सजाकर परोसें।

छोटी-छोटी बातें

- दूध अगर जल जाए तो दो-तीन हरे पान के पत्ते डाल कर आंच पर रखें। गंध चली जाएगी।
- कड़ाही व बर्तन के नीचे की कालिख साफ करने के लिए इमली को भिगोकर प्रयोग में लाएं।
- घी में पान का पत्ता डालकर गर्म करें। ऊपर का मैल छंट जाएगा और घी ज्यादा दिनों तक शुद्ध रहेगा।
- मटर की सब्जी बनाते समय उसमें थोड़ी सी चीनी मिला दें, तो मटर अधिक हरी रहेगी और उसमें हल्की सी मिठास बनी रहेगी।
- मसाला भूनते समय उसमें थोड़ा-सा दही मिलाने से सब्जी का रंग और स्वाद बेहतर हो जाएगा।
- अनार के छिलके को मुंह में रख कर चूसने से खांसी का वेग कम हो जाता है।
- खांसी में अदरक या मुलहठी का टुकड़ा मुंह में रखकर चूसें।

सौंदर्य का अहम हिस्सा हैं नाखून

सुंदर, तराशे, खूबसूरत चमकते नाखून हाथों तथा पैरों की सुंदरता में चार चांद लगा देते हैं। अकसर बहुत सी स्त्रियों को यह समस्या होती है कि आकर्षक रंग-रूप के बावजूद उनके नाखून भद्दे और बेजान से दिखते हैं, जिसके कारण उन्हें अपने हाथों-पैरों को छिपाना पडता है। नाखूनों में पाई जाने वाली मुख्य समस्याएं है :

1. सूखापन 2. चिटकना 3. धारियां पडना

यदि आप व्यस्त जीवन में से थोडा सा समय निकालकर, नाखूनों की देखभाल में लगाएं तो अवश्य ही नाखून, आपके आकर्षक व्यक्तित्व का अभिन्न अंग बन जाएंगे।

महत्वपूर्ण टिप्स

- जब भी आप घरेलू काम करें, नाखूनों की सफाई के लिए पांच मिनट का समय अवश्य निकालें। कल पर टालने से पता भी नहीं चलेगा कि समस्या कितनी बढ गई। नाखूनों में फंसी हुई गंदगी हटाने के लिए टूथपिक में रुई का फाहा लपेट लें। उसे नीबू के रस से गीला करें व आहिस्ता-आहिस्ता नाखूनों के आसपास व नीचे की त्वचा साफ करें। यदि त्वचा कटी हो तो नीबू की जगह दूध का इस्तेमाल करें।
- यदि गार्डनिंग कर रही हैं तो नाखूनों को नहाने वाले साबुन की टिकिया पर पहले खरोंच लें। नाखून साबुन से भर जाएंगे। ऐसा करने से गार्डन की मिट्टी, नाखूनों में नहीं भरेगी।
- जब भी खाली बैठी टीवी देख रही हों या किताब पढ रही हों, नाखूनों को नीबू के छिलकों से रगडती रहें। इसके अलावा क्रीम, मलाई, पेट्रोलियम जेली, बादाम तेल या अन्य किसी तेल से नाखूनों की मालिश करें। इससे नाखून जल्दी बढते हैं व स्वस्थ रहते हैं।
- जो लोग नाखून कुतरते हैं, उनके नाखून कमजोर हो जाते हैं। उनमें संक्रमण होने का भी डर रहता है। ऐसे व्यक्तियों को अपना ध्यान किसी न किसी काम में अवश्य लगा कर रखना चाहिए।
- बर्तन व कपडे धोने के पाउडर से हाथों को बचाएं। धुलाई करते समय रबर के दास्ताने अवश्य पहनें।
- नाखूनों पर यदि सफेद धब्बे दिखाई दें तो फौरन डॉक्टर से संपर्क करें, क्योंकि यह एनीमिया का लक्षण भी हो सकता है।
- यदि नाखून चिटक रहे हैं तो प्रतिदिन एक ग्लास दूध में प्रोटीन पाउडर घोल कर पिएं।
- रात में सोने से पहले नाखूनों पर क्रीम व नीबू लगाएं। कुछ न होने पर मलाई भी लगा सकती हैं।
- एक कटोरी पानी में तीन चौथाई बेबी ऑयल लेकर उसे हलका गर्म करें, उबालें नहीं। अब उसे एक प्याली में उडेल कर उसमें पांच मिनट तक उंगलियां भिगोएं। फिर गुनगुने पानी से धो लें। समय-समय पर ऑलिव ऑयल बादाम के तेल से मालिश करने से नाखूनों की रंगत बनी रहती है।

जरूरी है सफाई

- गुंजन के मुताबिक हाथों व पैरों की देखभाल, पंद्रह दिन में एक बार अवश्य करें। इसके लिए सबसे पहले नेलपॉलिश रिमूवर से पुरानी नेलपॉलिश साफ कर लें। नेलकटर या छोटी कैंची से बढे हुए या टेढे-मेढे नाखून काट दें। पैरों के नाखूनों को हमेशा सीधा ही काटें।
- नेल फाइलर से नाखूनों को आकार दें।

- नेलपॉलिश लगाने के लिए ब्रश नाखूनों के बीचो-बीच क्यूटिकल से नोंक की दिशा में चलाएं। जब पहला कोट एकदम सूख जाए तभी दूसरा कोट लगाएं।

यदि नाखूनों या पैरों या हाथ में कोई संक्रमण हो तो इलाज करवाएं। इस बीच पेडिक्योर न कराएं।

सावधानियां

स्वस्थ आहार का असर हमारे स्वास्थ्य पर भी पडता है। क्लीनिकल न्यूट्रिशनिस्ट एवं डाइट कंसल्टेंट प्रियंका निगम के अनुसार मात्र मेनिक्योर या पेडिक्योर से ही नाखूनों की देखभाल नहीं हो सकती। इसके लिए संतुलित आहार भी जरूरी है। इसलिए अपने आहार में दूध, दही, खनिज लवणों, पालक, मेथी साग को भी सम्मिलित करें। सूखे मेवे बादाम और अखरोट आदि के सेवन से नाखूनों की रंगत व चमक बनी रहती है। साथ ही कैल्शियम का भी सेवन नियमित रूप से करें। इससे नाखून स्वस्थ रहेंगे।

ध्यान दें

- हमारी उंगलियों के नाखून एक हफ्ते में.05 सेंटीमीटर बढते हैं, जो पैरों के नाखूनों से चार गुना ज्यादा है।
- नाखूनों में अकसर फंगस इनफेक्शन हो जाता है, जो शरीर के किसी अन्य भाग के संक्रमण की तुलना में काफी देर से दूर होता है।
- तापमान और उमस के दुष्प्रभाव से नाखूनों को बचाने के लिए पानी खूब पीजिए।
- तेज केमिकल युक्त उत्पादों के इस्तेमाल से बचें जैसे सप्ताह में एक बार से ज्यादा नेल वार्निश/रिमूवर का प्रयोग न करें। इससे नाखून और उसके आसपास की त्वचा पर दुष्प्रभाव पडता है।
- एसीटोन फ्री रिमूवर का ही इस्तेमाल करें।
- पेच खोलने, कसने या अन्य ऐसे कामों में नाखून का इस्तेमाल न करें, जिसे करने केलिए औजारों की जरूरत होती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू): बुद्धि और धन का दुरुपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3825

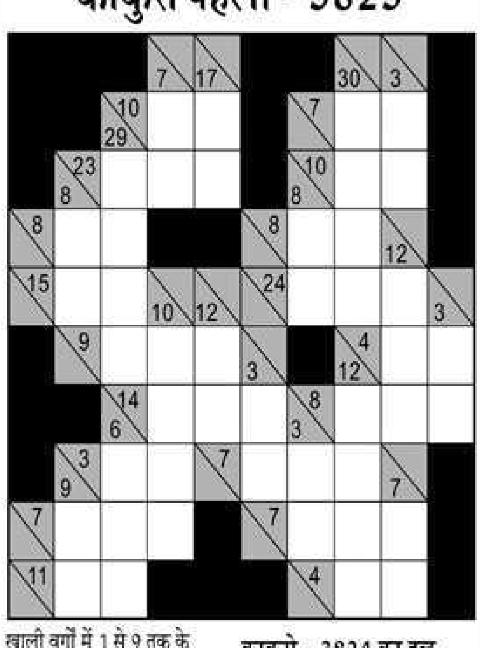

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3824 का हल

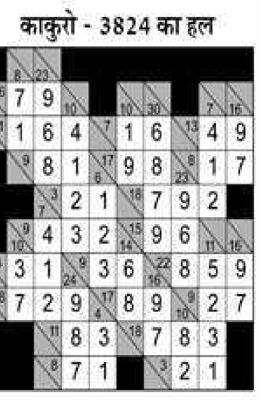

हंसी के फूव्वारें

दो बेवकूफ एक नाव में यात्रा कर रहे थे. अचानक नाव में एक छेद हो गया. जब नाव में पानी भरने लगा तो एक बेवकूफ ने चिन्तित होते हुए कहा-'नाव में पानी भर रहा है.'

'लगता है कोई छेद हो गया है.' दूसरा बेवकूफ बोला.

'फिर ?'

'एक छेद और कर देते हैं. एक छेद से पानी आ रहा है, दूसरे छेद से निकल जायेगा.' दूसरे बेवकूफ ने सुझाव दिया तो पहले बेवकूफ ने सिर हिलाकर उसकी बात का अनुमोदन कर दिया.

□ □ □

एक भिखारी ने एक बार लाटरी का टिकट खरीद लिया. टिकट खरीदने के बाद वह उछलने-कूदने लगा. अन्त में वह घर पहुंचकर अपनी घरवाली से बोला-'मैंने लाटरी का टिकट खरीद लिया है. अब हम बहुत जल्दी लखपति बनने वाले हैं.'

'ओह!'

घरवाली करवट बदलते हुए बोली-'यह कितनी अच्छी बात है. फिर तो हम कार में बैठकर भीख मांगा करेंगे!'

□ □ □

एक अभिनेत्री को अपना पासपोर्ट बनवाना था. उसे एक फार्म भरने को दिया गया. उस फार्म में एक प्रश्न यह भी था-'आप विवाहित हैं, अविवाहित हैं या तलाकशुदा ?'

अभिनेत्री ने तुरन्त जवाब लिखा-'तीनों !'

फिल्म वर्ग पहेली - 3825

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरुख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी ?-३
१६. ऋषि, जेबा, अश्विनीभावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी ?-३
२०. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है ?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम ?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3824

सूडोकु -3825

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3824 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 3825

बाएँ से दाएँ

1.उपासना करना-6
5.अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9.चाह,इच्छा-3
10.अधिकार,आरोप-2
11.निर्दय, हिंसक-4
12.आंदोलन-2
14.सज्जन,सभ्य-4
15.स्मृति,अविस्मरण-2
17.रूखा, रसहीन-3
19.गुप्तचर-4
21.संकट मोचक,नाविक-5
24.चुगली करना-5
27.नेता पथ प्रदर्शक-4
29.प्रेम,चाहत-3
31.एक ग्रह-2
32.अनर्गल प्रलाप-4
33.नौकर,सेवक-2
35.उद्विग्न,आतुर-4
36.श्रवणेंद्रिय-2
38.दीपक,दिया-3
39.बोलने के लिये कहना-2
40.एक मुस्लिम महीना-4
41.सहायता करना-3,3

ऊपर से नीचे

1.सहिष्णुता,उदारता-6
2.थोड़ा,कम-2
3.कपड़ों के टुकड़े-4
4.असफल-5
5.राजी करना-3
6.वजन,वायदा-2
7.अनाथ,बेवारिस-4
11.वैधव्य-4
13.राजा की पत्नी-2
16.टूटना-4
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.खबरी,खबर देने वाला-4
20.हमारा पड़ोसी देश-2
22.घूमना-3
23.पराजय-2
25.खतरनाक, खौफनाक-4
26.पसंद नहीं होना, अस्वीकृत-4,2
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29.हमले का जवाब देना,प्रतिशोध-4
30.कभी-2
32.जब्त,प्राप्त होना-4
34.मास्टर ब्लास्टर-3
37.भीगा हुआ-2
39.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली - 3824 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी